News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 अगस्त, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण करते कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्मदिन के अवसर पर शनिवार को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा विश्वविद्यालय में नव स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए।

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी
के
प्रतिमा
पर
माल्यार्पण
करते हुए
कुलपति
प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

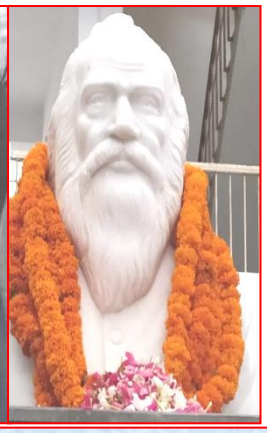

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करते विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करते विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ

भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे- प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र,श्री इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 अगस्त, 2020

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रो पर राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयंती समारोह

क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़

दिनांक 01 अगस्त, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के आजमगढ़ क्षेत्रीय केन्द्र पर राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयन्ती समारोह के अवसर पर आजमगढ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 श्यामदत्त दुबे एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ के समन्वयक डॉ0 श्यामदत्त दुबे एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तमदास टन्डन का जन्म दिन समारोह।

क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली पर भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तमदास टन्डन का जन्म दिन सोशल डिस्टेन्सिंग के साथ सादगी से मनाया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डा0 आर0 बी0 सिंह ने माँ सरस्वती तथा राजर्षि पुरूषोत्तमदास टन्डन के चित्रों पर माल्यार्पण किया सभी कर्मचारियों ने दोनो चित्रों पर पुष्प अर्पण किये। डा0 आर0 बी0 सिंह ने सभी कर्मचारियों को राजर्षि पुरूषोत्तमदास टन्डन के जीवन के कुछ संस्मरण सुनाये।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

दिनांक 01 अगस्त, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र पर राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयन्ती समारोह के अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के असि. प्रोफेसर डॉ0 सुनील कुमार एवं क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

दिनांक 01 अगस्त, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के आगरा क्षेत्रीय केन्द्र पर राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयन्ती समारोह के अवसर पर आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र आगरा की समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह एवं कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

दिनांक 01 अगस्त, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र पर राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयन्ती समारोह के अवसर पर लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

दिनांक 01 अगस्त, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र पर राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयन्ती समारोह के अवसर पर मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ के कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

दिनांक 01 अगस्त, 2020 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र पर राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयन्ती समारोह के अवसर पर झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारियों ने राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के कर्मचारीगण

STAR INDIA NEWS 24

स्टार इंडिया न्यूज़ 24

Home About NEW PAGE Contact

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

प्रयागराज 1 अगस्त स्टार इंडिया न्यूज़ 24 कुलदीप शुक्ला

बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मधुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र,श्री इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

COVERAGE INDIA
खबर पल - पल की

BANNER ADVERTISEMENT SECTION ADVERTISEMENT BANNER ADVERTISEMENT SECTION
BANNER ADVERTISEMENT SECTION

विडियो | COVID-19 LIVE UPDATES | भारत | विश्व | मनोरंजन | व्यापार | लाइफस्टाइल | ख़बरें ज़रा हटके | खेल | टेक | शिक्षा | वायरल सच | अन्य

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

1 min read

3 hours ago Coverage India

कुलदीप शुक्ला, कवरेज इण्डिया न्यूज़ डेस्क प्रयागराज।

बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है। ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र,श्री इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

www.sahajsatta.in facebook.com/sahajsatta.allahabad

सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

वर्ष 13 अंक 47
पृष्ठ-8
प्रयागराज
रविवार, 2 अगस्त 2020
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

मुक्त विवि में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

पुरुषोत्तम दास टंडन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीयः कुलपति

प्रयागराज, 01 अगस्त (हि.स.)। बहुआयामी व्यक्तित्व से सम्पन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय में उनके जन्मदिन पर प्रतिमा का अनावरण करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिन्दी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिन्दी का संवर्धन अनिवार्य है। हिन्दी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे। भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान कर राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

गौरतलब है कि मुक्त विवि में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ.अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ. एस कुमार, डॉ. सतीश चंद जैसल, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडेय आदि ने सहभाग किया।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

रविवार, 02 अगस्त 2020, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

राजर्षि टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे: कुलपति

जयंती पर नमन

प्रयागराज | निज संवाददाता

खत्री सभा प्रयाग की ओर से शनिवार को अतरसुइया स्थित राजर्षि टंडन के आवास पर भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की 139वीं जयंती मनाई गई। ● हिन्दुस्तान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर में राजर्षि टंडन के जन्म दिवस के अवसर पर शनिवार को कुलपति प्रो. केएन सिंह ने प्रतिमा का अनावरण किया। प्रो. सिंह ने कहा कि वे बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया। टंडन जी हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित की है।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी. सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ. अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ. एस कुमार, डॉ. सतीश चंद जैसल, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ .प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडेय आदि ने सहभाग किया।

सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

याद किए गए राजर्षि टंडन

प्रयागराज। खत्री सभा प्रयाग की ओर से शनिवार को अतरसुइया स्थित राजर्षि टंडन के आवास पर भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की 139वीं जयंती मनाई गई। अध्यक्षता रामजी कपूर ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर टंडन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन किया। धन्यवाद ज्ञापन खत्री सभा के महामंत्री बृजेश मेहरोत्रा ने किया। इस अवसर पर टंडन जी के परिवार के राजीव टंडन, डॉ. प्रमोद टंडन, शशी टंडन, नीरज टंडन, अशोक चड्ढा, रमेश चन्द्र टंडन, मुकेश सहगल, सुनील नारायण टंडन, अभय सिंह आदि उपस्थित रहे।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि में कुलपति ने किया राजर्षि टण्डन की प्रतिमा का अनावरण

प्रयागराज। बहुआयामी व्यक्तित्व से सम्पन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

पुरुषोत्तम दास टंडन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीयः कुलपति

उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय में उनके जन्मदिन पर प्रतिमा का अनावरण करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिन्दी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिन्दी का संवर्धन अनिवार्य है। हिन्दी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे। भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान कर राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

गौरतलब है कि मुक्त विवि में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ.अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ. एस कुमार, डॉ. सतीश चंद जैसल, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडेय आदि ने सहभाग किया।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 | हिन्दी दैनिक | Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

आपके साथ

वर्ष : 09 | अंक : 194 | फतेहपुर, रविवार, 02 अगस्त 2020, | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे। भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

गौरतलब है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

Star INDIA न्यूज़ 24

STAR INDIA NEWS 24

मुविवि के वित्त अधिकारी को पितृ शोक

प्रयागराज 1 अगस्त स्टार इंडिया न्यूज़ 24 कुलदीप शुक्ला

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह के पिता रूद्र प्रताप सिंह का आज निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह एवं अन्य शिक्षकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने वित्त अधिकारी के पिता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने बताया कि स्वर्गीय सिंह की अंत्येष्टि कल प्रातः 10 बजे रसूलाबाद घाट पर की जाएगी।

दैनिक जागरण

प्रयागराज जागरण

विवि के वित्त अधिकारी को पितृशोक

प्रयागराज : उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह के पिता रुद्र प्रताप सिंह का शनिवार को निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह व कर्मचारियों ने शोक व्यक्त किया। विवि के संपत्ति अधिकारी डॉ. अनिल सिंह भदौरिया ने बताया कि स्वर्गीय सिंह की अंत्येष्टि रविवार को 10 बजे रसूलाबाद घाट पर होगी।

SUNDAY 02.08.2020 | उत्तर प्रदेश | amarujala.com

अमर उजाला

नई शिक्षा नीति...रोजगार देने वाला तैयार करेगी

अमर उजाला | प्रयागराज | amarujala.com

हिंदुस्तानी एकेडमी के सचिव को पितृ शोक

प्रयागराज। हिंदुस्तानी एकेडमी के सचिव अजय कुमार सिंह के पिता रुद्र प्रताप सिंह का शनिवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे 84 वर्ष के थे। उनके निधन पर हिंदुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष पायल सिंह ने शोक जताया है।

1991-2019
29 वर्ष
रजत जयंती वर्ष
प्रयागराज, वर्ष 29
अंक 327 रविवार
02 अगस्त , 2020
पृष्ठ 12 ₹4.00

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टण्डन की प्रतिमा का अनावरण

प्रयागराज। बहुआयामी व्यक्तित्व से सम्पन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तमदास टण्डन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिये। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

यह बात उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा। प्रो. सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना, समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो

राजर्षि टण्डन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

उसे राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिन्दी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिन्दी का समवर्धन अनिवार्य है। हिन्दी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे। भारत सरकार ने नयी शिक्षा नीति में मातृ भाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टण्डन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित की। मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टण्डन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतिक्षित था। जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टण्डन के जन्मदिन पर कुलपति ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेन्द्र प्रताप सिंह, उप कुलसचिव इं. सुखराम मथुरिया सम्पत्ति अधिकारी डा. अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डा. एस कुमार, डा. सतीश चन्द्र जैसल, डा. अभिषेक सिंह, इन्दुभूषण पाण्डेय आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए राजर्षि टण्डन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

प्रयागराज, रविवार
2 अगस्त, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

डॉक्टर, सीए भी ले सकेंगे अब एमएसएमई वाले कर्ज 11
एपल बनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी 11

युवा जागरण

17 अगस्त से इविवि में शुरू होंगी नए सत्र की ऑनलाइन कक्षाएं

विवि के पाठ्यक्रम भी डिजिटल प्लेटफार्म पर

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : कोरोना काल के चलते पठन-पाठन के तरीके बदल रहे हैं। स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालय तक डिजिटल प्लेटफार्म कक्षाओं के संचालन का जरिया बन रहा है। इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय इसमें पीछे नहीं है। यहां 17 अगस्त से नया सत्र ऑनलाइन कक्षाओं के साथ शुरू होगा।

इविवि में सभी शिक्षकों से उनके लेक्चर से संबंधित पाठ्य सामग्री मांगी है। ज्यादातर ने इसे उपलब्ध भी करा दिया है। इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। आइटी सेल के समन्वयक शैलेंद्र राय ने बताया कि जल्द ही यह काम पूरा हो जाएगा। ऑनलाइन अध्ययन सामग्री इविवि की वेबसाइट पर है। विवि में ऐसा केंद्र बन रहा जहां शिक्षक अपना ऑडियो और वीडियो लेक्चर रिकार्ड करा सकेंगे। अत्याधुनिक साउंड सिस्टम, वीडियो एडिटिंग आदि की व्यवस्था रहेगी। केंद्र का काम 20 अगस्त तक पूरा हो जाएगा।

राज्य विवि भी पीछे नहीं

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एसएन पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय का पुराना पाठ्यक्रम पहले से ही ऑनलाइन है चूंकि नए पाठ्यक्रम को इस वर्ष स्थगित रखने का निर्देश है, इसलिए उसे ऑनलाइन नहीं किया गया है। ऑनलाइन कक्षाओं पर अभी फैसला नहीं हो सका है।

पॉजिटिव न्यूज

मुक्त विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम ऑनलाइन

यूपीआरटीयू के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि विवि में सभी पाठ्यक्रमों की जानकारी ऑनलाइन ले सकते हैं। विश्वविद्यालय की तरफ से विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री घर भेजी जाती है। छात्रा-छात्राएं विश्वविद्यालय या अपने स्टडी सेंटर से भी इसे हासिल कर सकते हैं।

SUNDAY | 02.08.2020 उत्तर प्रदेश amarujala.com

अमर उजाला

महानगर वर्ष 24 | अंक 48 | पृष्ठ : 14 | मूल्य : छह रुपये प्रयागराज • 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

नई शिक्षा नीति...रोजगार देने वाला तैयार करेगी

पेज 12

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2020 के ग्रैंड फिनाले को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पीएम ने किया संबोधित

अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth amarujala.com प्रयागराज | रविवार, 2 अगस्त 2020

हिंदी हैं हम.

हर छात्र का फर्ज, चुकाना होगा हिंदी का कर्ज

'हिंदी है हम' अभियान को उच्च शिक्षा निदेशक, कुलपतियों का साथ, अमर उजाला के अभियान को सराहा

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। अमर उजाला का 'हिंदी हैं हम' अभियान मजबूती से आगे बढ़ चढ़ा है। स्कूलों के साथ उच्च शिक्षा में भी इस अभियान ने दस्तक दी है। कई कुलपतियों और उच्च शिक्षा निदेशक ने हर विद्यार्थी से इस अभियान में भागीदारी की अपील की है। उनका कहना है कि हिंदी ने हमें बहुत कुछ दिया है और हर विद्यार्थी का फर्ज है कि वह इसका कर्ज चुकाए।

उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. वंदना शर्मा ने अमर उजाला के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इसमें छात्र-छात्राओं के साथ सभी को बढ़चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए, ताकि सामूहिक प्रयास से हिंदी को उसका पुराना मुकाम हासिल हो सके।डॉ. वंदना का मानना है कि हर भाषा का अपना महत्व होता है, लेकिन हिंदी हमारी मातृभाषा है, सो इसका महत्व सबसे अधिक है। वह राज्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से कहेंगी कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों की इसमें भागीदारी हो।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरआर तिवारी ने कहा कि अमर उजाला ने हिंदी के उत्थान के लिए जो बीड़ा उठाया है, वह सराहनीय है। शिक्षण संस्थानों को भी हिंदी के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। नई शिक्षा नीति में भी हिंदी को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भी अब अधिक से अधिक काम हिंदी में होता है। विश्वविद्यालय के हर छात्र को अमर उजाला के अभियान से जुडना चाहिए।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव का सबसे प्रिय विषय हिंदी हैं और उन्होंने कविता पढ़ते हुए 30 सेकेंड का वीडियो बनाकर 'हिंदी हैं हम' अभियान में भागीदारी भी की है। प्रो. संगीता ने विश्वविद्यालय एवं प्रयागराज मंडल में स्थित संघटक महाविद्यालयों से भी कहा है कि अधिक से अधिक छात्रों को इस अभियान से जोड़ें। प्रो. संगीता ने बताया कि राज्य विश्वविद्यालय में चल रही शिक्षक भर्ती में उन्होंने सबसे पहले हिंदी और संस्कृत के शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह का कहना है कि नई शिक्षा नीति में प्राइमरी तक हिंदी को अनिवार्य किया गया है। मातृभाषा के उत्थान के बिना व्यक्ति और समाज का विकास संभव नहीं है। अमर उजाला का अभियान इस विकास के क्रम को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत पहल है। यह एक ऐसा अभियान है जो हर आयु वर्ग के लोगों को अपनी मातृभाषा से भावनात्मक रूप से जोड़ता है।

प्रो. आरआर तिवारी
कुलपति, इविवि

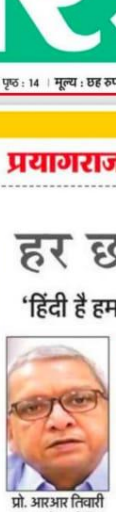

प्रो. संगीता श्रीवास्तव
कुलपति, राविवि

प्रो. कामेश्वर नाथ
कुलपति, मुविवि

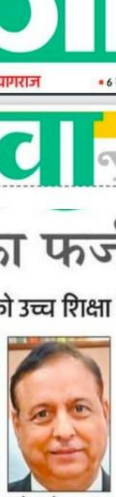

डॉ. वंदना शर्मा
उच्च शिक्षा निदेशक

इस तरह करें भागीदारी

'हिंदी हैं हम' अभियान में बच्चों-युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी अपनी मेधा व शब्द सामर्थ्य को प्रकट कर सकते हैं, अपनी पहचान बना सकते हैं और इनाम भी जीत सकते हैं। हिंदी में कविता, कहानी या खबर पढ़ कर, 30 सेकंड का वीडियो रिकॉर्ड करना है और व्हाट्एप नंबर '9711616205' पर भेजना है। हर वर्ग में, हर सप्ताह प्रमाणपत्र और किताबों सहित उपहार घोषित होंगे। छह सप्ताह तक यह सिलसिला चलेगा।

प्रयागराज, रविवार
2 अगस्त, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

www.jagran.com

डॉक्टर, सीए भी ले सकेंगे अब एमएसएमई वाले कर्ज 11

एपल बनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी 11

युवा जागरण

4
दैनिक जागरण
प्रयागराज, 2 अगस्त, 2020
www.jagran.com

17 अगस्त से इविवि में शुरू होंगी नए सत्र की ऑनलाइन कक्षाएं

मुक्त विवि में लगी राजर्षि टंडन की प्रतिमा

कुलपति ने किया अनावरण, राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विवि को तोहफा

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में शनिवार को राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि राजर्षि टंडन का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा में लगा दिया। नई पीढ़ी को उनका अनुशरण करना चाहिए।

एक अगस्त को राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जन्म तिथि पर यूपीआरटीयू मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर में प्रतिमा का अनावरण किसी तोहफे से कम न था। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारी शारीरिक दूरी बनाए रखते हुए मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है।

राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता : प्रतिमा अनावरण के मौके पर कुलपति ने कहा कि भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित की है। इससे विद्यार्थियों का मौलिक विकास होगा। वे चीजों को समझ कर पढ़ेंगे न कि रटकर। अन्य बदलाव भी सकारात्मक नतीजे देंगे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, सुखराम मथुरिया, डॉ. अनिल सिंह भदौरिया, डॉ. एस कुमार, डॉ. सतीश चंद जैसल, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि मौजूद रहे।

SUNDAY | 02.08.2020 उत्तर प्रदेश amarujala.com
अमर उजाला
नई शिक्षा नीति...रोजगार देने वाला तैयार करेगी
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth amarujala.com

मुक्त विवि में राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण किया गया। मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो अब जाकर पूरा हुआ। राजर्षि टंडन की जयंती पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। विवि के प्रशासनिक भवन में अनावरण के मौके पर कुलपति ने कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और भारत एवं भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्म दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है। इस अवसर पर वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

दैनिक
खबरों में हमारा शहर
भोपाल लालपुर से प्रकाशित व जयपुर से प्रसारित www.khabromehamarashahar.com
वर्ष- 8 अंक-112 भोपाल, रविवार 2 अगस्त 2020 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपये

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

प्रयागराज(सुधीर सिन्हा)। बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ

सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
प्रकाशन का 73वां वर्ष
लखनऊ
सोमवार, 3 अगस्त 2020 ई.
सावन मास शुक्ल पक्ष पूर्णमासी
सं. 2077 वि.
epaper: swatantrabharat.net
वर्ष 73 अंक 344 नगर संस्करण* पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

मुविवि में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

प्रयागराज। बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं

मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे। भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डा. अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डा. एस कुमार, डा. सतीश चंद जैसल, डा. अभिषेक सिंह, डा. प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन इंटर कालेज महेवा में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती सादगी के साथ मनाई गई। मुख्य अतिथि प्रबंधक डा. शशि टंडन राजर्षि टंडन ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर उन्होंने सांसद रीता बहुगुणा जोशी द्वारा भेजी गई राशन सामग्री मास्क आदि का जरूरतमंद लोगों को वितरित किया। इसी क्रम में उन्होंने सागौन का पौधा लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्य भगवत कुशवाहा व संचालन राम प्रकाश मिश्रा ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रधानाचार्य स्वामी नाथ त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा गया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य सुभाष कुमार, प्रेम शंकर पांडे, कमल सिंह, राम बहादुर, अतुल कुमार, रचना सिंह, शिरीन राइट, नीरज आदि मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में चंद्रलोक चौराहे पर स्थित पुरुषोतम दास टंडन की मूर्ति पर कार्यक्रम के संयोजक मोनू गुप्ता द्वारा पुरुषोत्तम दास टंडन जी की जन्म जयंती पर एवं अमर क्रांतिकारी बाल गंगाधर की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मोनू गुप्ता, भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केशरवानी, प्यारेलाल जायसवाल, गोविंद जी गुप्ता, राजेश गुप्ता, अभिलाष केसरवानी आदि मौजूद रहे।

कोरोना को हराएं भारत को विजयी बनाएं
दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
लखनऊ संस्करण
वर्ष-04, अंक -279
सोमवार, 03 अगस्त, 2020
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*
लखनऊ, नोएडा, झांसी और देहरादून से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

राजर्षि टंडन का जीवन अनुकरणीयः कामेश्वरनाथ

भास्कर न्यूज

प्रयागराज। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने, अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं

भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वह अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि

पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ. सतीश चंद जैसल, डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडेय आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, सोमवार , 03 अगस्त 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्तविश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

प्रयागराज।बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन

राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ–साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है। ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र,श्री इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टंडन जैसे महान समाजसुधारकों की वर्तमान युग को जरूरत है - डा० पूनम गर्ग

<u>मेरठ संवाददाता</u>

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय पर स्वतन्त्रता सग्राम सेनानी एवं समाजसुधारक राजर्षि पुरुषोत्तमदास दास टंडन का जन्मोत्सव हर्सोल्लास से मनाया गया । इस अवसर पर समन्वयक डा० पूनम गर्ग व समसत कर्मियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मेरठ कार्यालय की क्षेत्रीय समन्वयक डा० पूनम गर्ग ने कहा कि समाज को ऐसे महापुरूषो से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए।

समाजसेवी के चित्र के समक्ष नमन करता युवक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
सदभावना का प्रतीक
वर्ष -10, अंक 90 बस्ती, सोमवार 3 अगस्त 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPH

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया राजर्षि टंडन की प्रतिमा का अनावरण

भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे-कुलपति

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

सदभावना का प्रतीक
समाचार प्रयागराज।

बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद मिश्र,श्री इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:20 बजे

सूर्यास्त : 07:014 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 234 | प्रयागराज, सोमवार 03 अगस्त, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये

राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय को मिला तोहफा

प्रयागराज। बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है। उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में उनके जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व

एवं कृतित्व को समझना चाहिए। ज्ञातव्य है कि मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, उपकुलसचिव इंजी सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, डॉ सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉ प्रभात चंद्र मिश्र,श्री इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। इस अवसर पर सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

—

R.N.I. UPHIN/2012/52437

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:- एल-2/9/एसि0/एसपी0/119/15/-17

वर्ष : 06 अंक : 304
प्रयागराज,सोमवार,
03, अगस्त, 2020
पृष्ठ - 8
मूल्य : 1 रुपये

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व मैनपुरी से प्रसारित

हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे भारत रत्न : प्रोफेसर कामेश्वर

प्रयागराज, । बहुआयामी व्यक्तित्व से संपन्न एवं भारत तथा भारतीयता के सेवक भारत रत्न पुरुषोत्तम दास टंडन राष्ट्र के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा हेतु समर्पित कर दिया। वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अनुकरणीय है। उनका मानना था कि हिंदी भारत की आत्मा है और औपनिवेशिक सोच एवं मानसिकता से उबरने के लिए हिंदी का संवर्धन अनिवार्य है। हिंदी के साथ-साथ वे अन्य भारतीय भाषाओं को विकसित करने के पक्षधर थे। ये बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कही।प्रोफेसर कामेश्वर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में राजर्षि टंडन की जन्म तिथि पर शनिवार को उनकी प्रतिमा का अनावरण करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति सेवा साधना एवं समर्पण के प्रति यदि किन्हीं कारणों से किसी का मन विचलित हो तो उसे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझना चाहिए। भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान करके राजर्षि टंडन के प्रति सच्ची कृतज्ञता ज्ञापित किया है।मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय की स्थापना काल से ही प्रतीक्षित था, जो आज पूर्ण हो गया। राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, उप कुलसचिव सुखराम मथुरिया, संपत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉक्टर एस कुमार, डॉक्टर सतीश चंद जैसल,डॉ अभिषेक सिंह, डॉक्टर प्रभात चंद्र मिश्र, इंदु भूषण पांडे आदि ने सहभाग किया। सभी लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए राजर्षि टंडन के जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 अगस्त, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के अन्तर्गत आने वाने अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवं समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

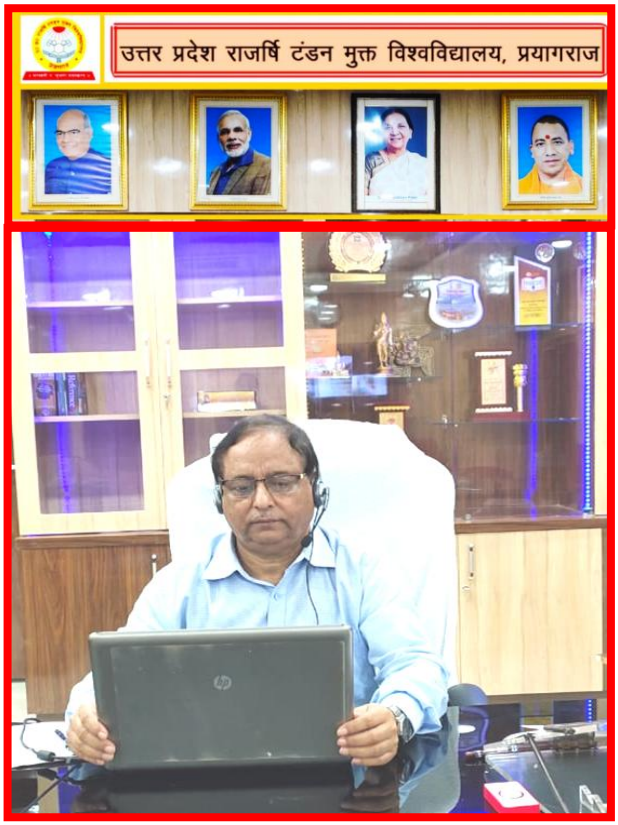

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो के एन सिंह

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के समन्वयकों की ऑनलाईन कार्यशाला में बोले कुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र के प्राचार्यों एवं समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 04 अगस्त, 2020 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर **''दूरस्थ शिक्षा की समकालीन स्थिति एवं वर्तमान सत्र हेतु नियोजन''** विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

''दूरस्थ शिक्षा की समकालीन स्थिति एवं वर्तमान सत्र हेतु नियोजन'' विषय पर कार्यशाला आयोजित

प्रतिवर्ष प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले केन्द्रों की कार्यशाला प्रवेश, परीक्षाफल, अधिन्यास, पाठयसामग्री एवं सत्र की कार्यवृत्ति को लेकर हर वर्ष जुलाई माह में आयोजित की जाती है। इसी कडी में बरेली क्षेत्रीय केन्द्र की आन लाइन कार्यशाला आज आयोजित की गयी। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों एवं मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का स्वागत क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के समन्वयक डॉ0 आर0बी0 सिंह ने किया। बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के समापन पर संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। **कार्यशाला में** बरेली मण्डल के जनपदो में स्थित **अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।**

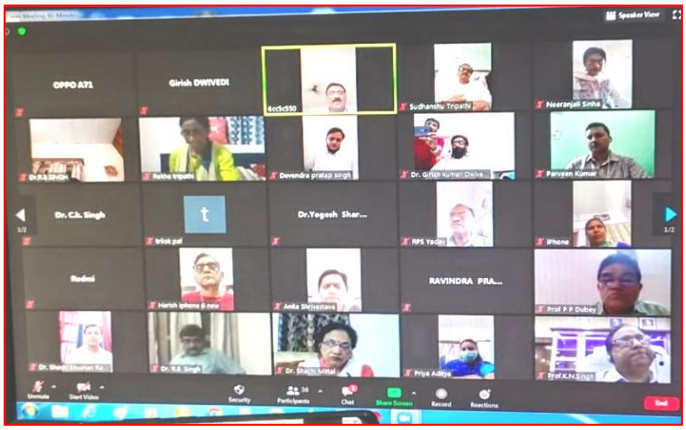

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

संचालन

कार्यशाला के संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

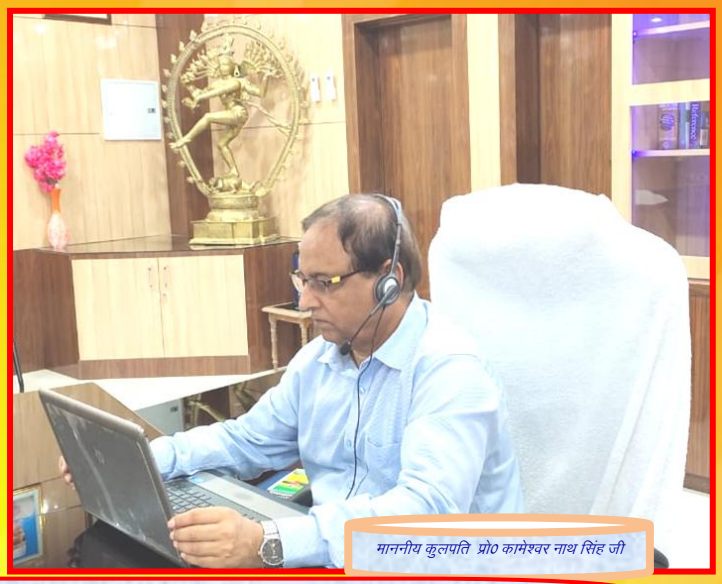

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

संचालन करते हुए कार्यशाला के संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

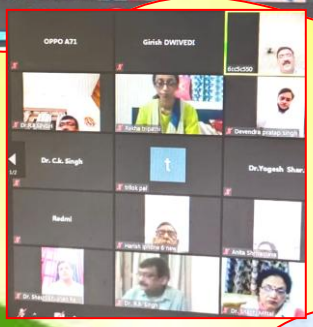

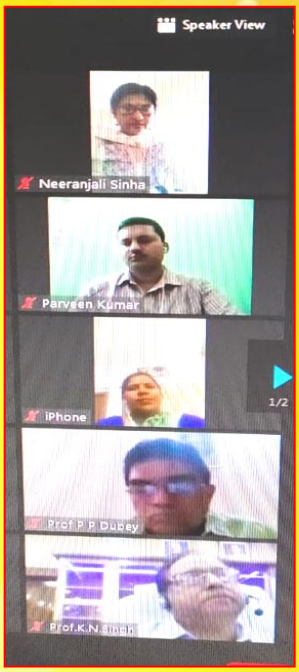

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

स्वागत

कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती को नमन करते हुये किया गया। क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आ0बी0 सिंह ने मा0 कुलपति जी, अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों, प्राध्यापकों एवं तकनीकी अधिकारियों का स्वागत किया।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ0 आर0बी.सिंह

परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

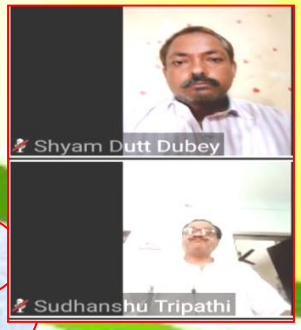

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

कार्यशाला के विषय में

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रो0 आशुतोष गुप्ता

कार्यशाला का विषय प्रवर्तन करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के प्रभारी निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता ने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

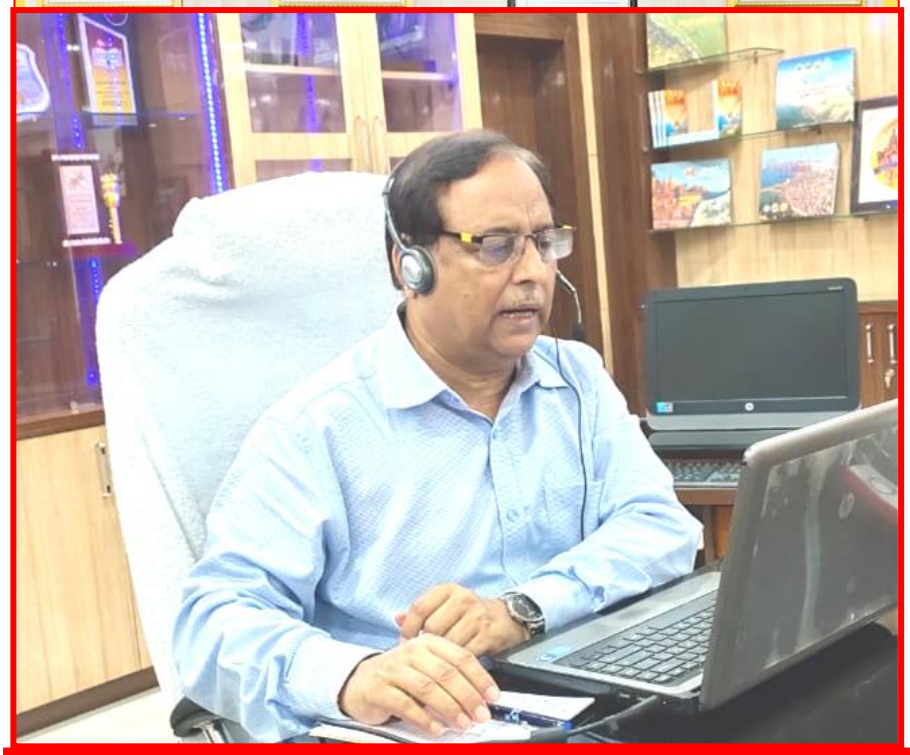

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो के एन सिंह

नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

उक्त उद्‌गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड.19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है। हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड.19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।

विचार विमर्श सत्र

समस्या एवं सुझाव सुनते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

ऑनलाइन कार्यशाला में अपनी समस्या एवं सुझाव दते हुए बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

विचार विमर्श सत्र के पश्चात मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का पुनः उद्‌बोधन

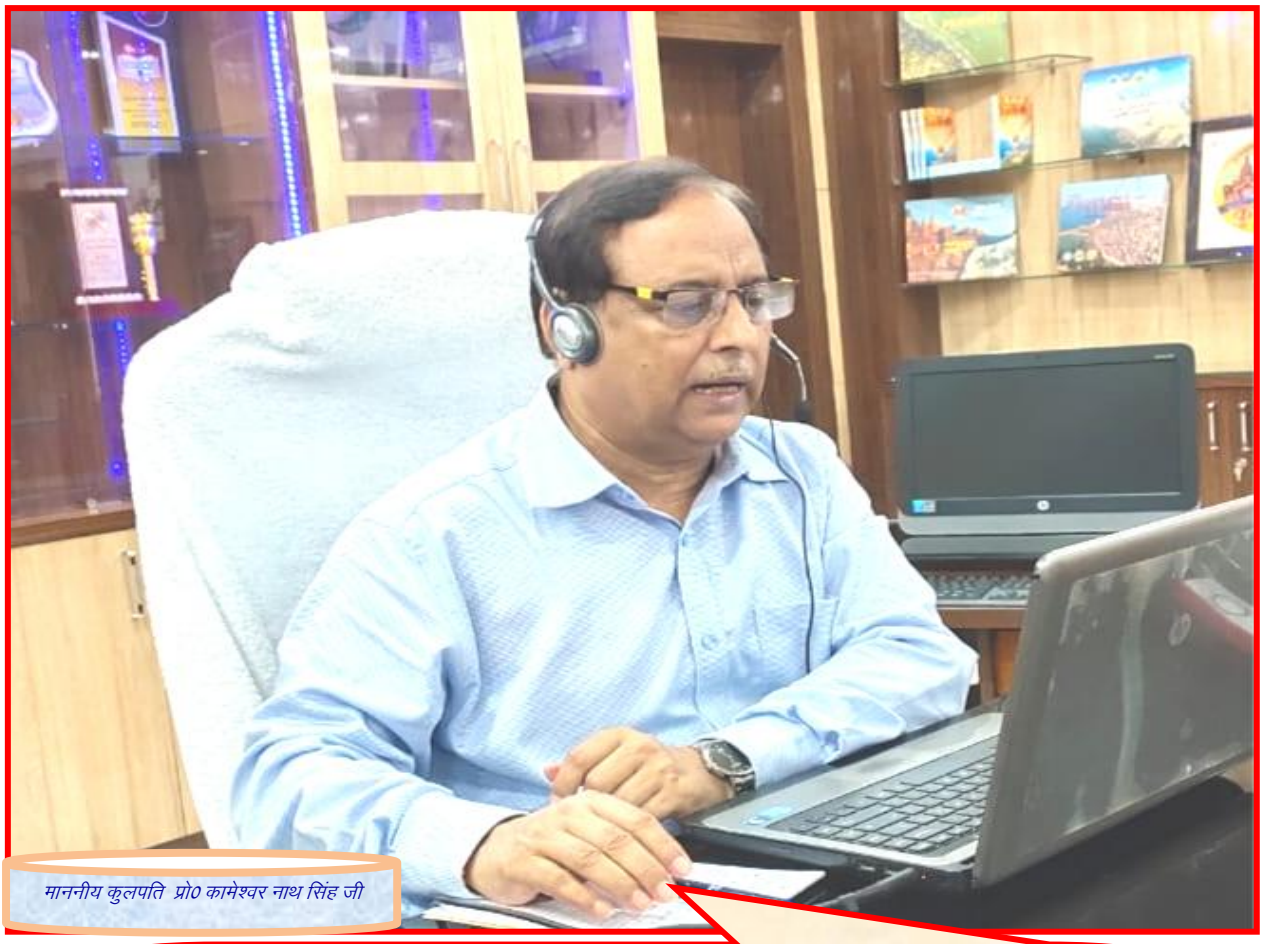

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक से कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सभी केंद्र समन्वयको से आग्रह किया कि वह अपने केंद्र के प्रांगण में न केवल एक-एक वृक्ष लगाएं वरन उस वृक्ष को गोद ले लें, जिससे पर्यावरण को संरक्षित एवं समृद्ध किया जा सके। उन्होंने विचार सत्र में विभिन्न अध्ययन केंद्रों के सुझाव एवं समन्वयकों की समस्याओं को सुना एवं सार्थक सुझाव को अमल में लाने एवं समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया।

कार्यशाला में उपस्थित कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

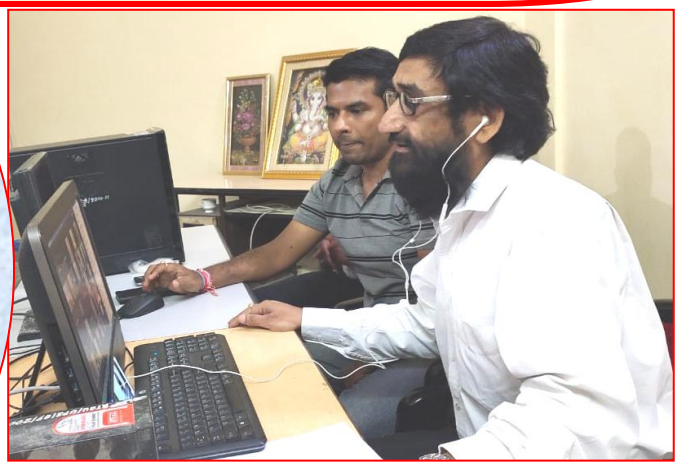

धन्यवाद ज्ञापन

कार्यक्रम के अन्त में कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने मा0 कुलपति जी, आयोजन समिति, अध्ययन केन्द्र के प्राचार्यो, समन्वयकों, विद्वतजनों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों, प्रभारियों, अध्यापकों एवं तकनीकी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

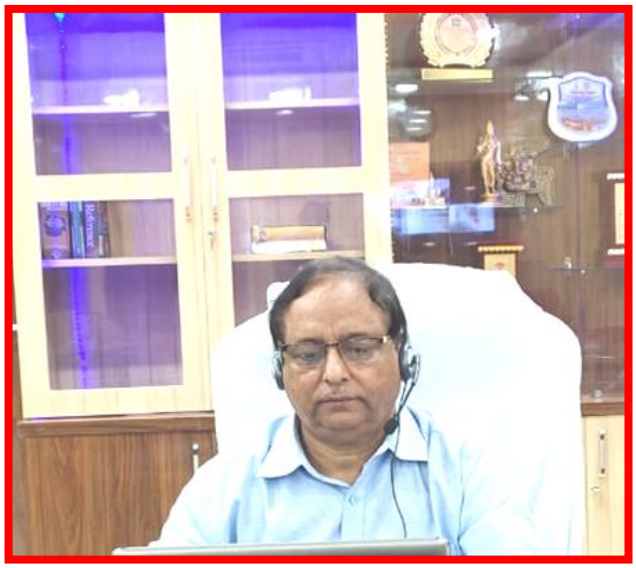

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

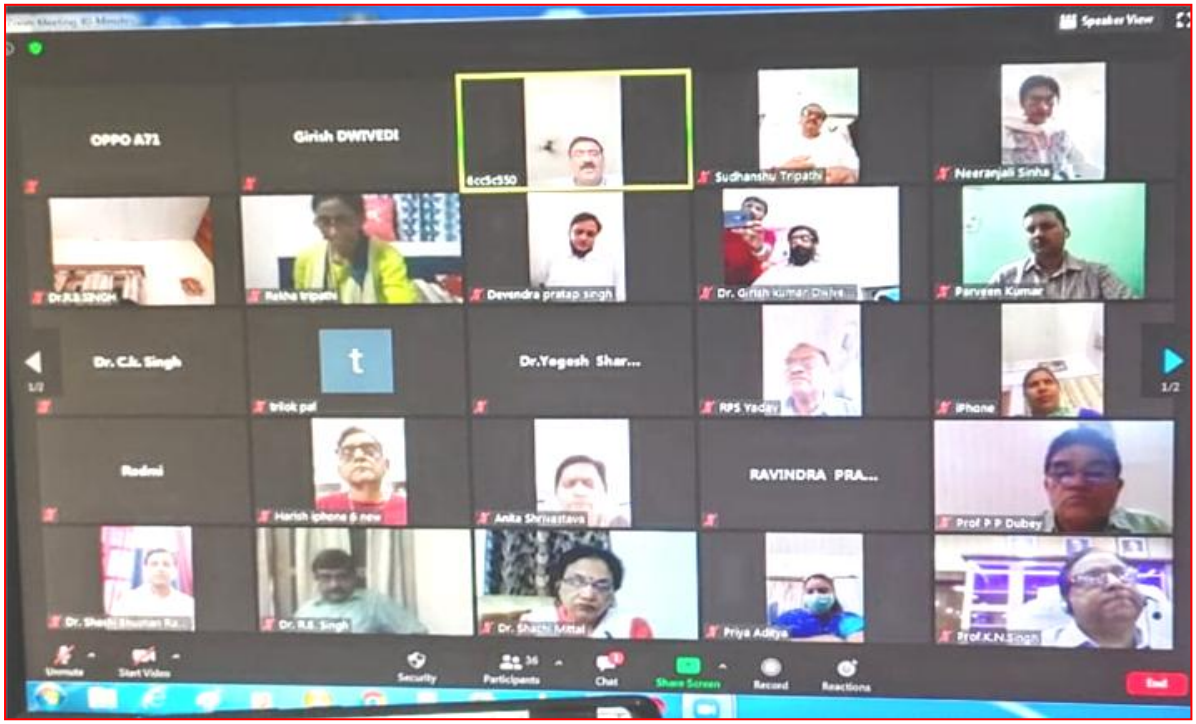

धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात राष्ट्रगान के लिए सभी को अपने–अपने स्थान पर खडे होने का आग्रह किया गया। राष्ट्रगान की समाप्ति के पश्चात कार्यशाला के समापन की घोषणा मा0 कुलपति जी के अनुमति से की गयी।

www.anandimail.in

आनंदी मेल

(हिंदी दैनिक) लखनऊ, बुधवार, 5 अगस्त 2020 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2 रुपए

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो के एन सिंह

○ 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने किया प्रतिभाग

आनंदी मेल संवाददाता

प्रयागराज। आधुनिकता के दौर में नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफ्लाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50: तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। = उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिकध् से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियताः कुलपति

● बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति इक्कीसवीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर दिया गया है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह ने नई शिक्षा नीति का स्वागत किया है। उन्होंने यह बातें मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कहीं। कहा कि चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड 19 महामारी के दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन शिक्षा का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना होगा। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड 19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है। कुलपति से अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाने की मांग की। जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें। संचालन डॉक्टर जी के द्विवेदी तथा स्वागत डॉक्टर आर बी सिंह क्षेत्रीय समन्वयक बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर आशुतोष गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉक्टर गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

R.N.I. UPHIN/2012/52437

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:- एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15/-17

वर्ष : 06 अंक : 305
प्रयागराज,बुधवार,
05, अगस्त, 2020
पृष्ठ - 8
मूल्य : 1 रुपये

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व मैनपुरी से प्रसारित

प्रयागराज नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियताः प्रो के एन सिंह

नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50: तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। उक्त उदगार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है। प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रोंके समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

वर्ष 13 अंक 50
पृष्ठ-8
प्रयागराज
बुधवार, 5 अगस्त 2020
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता : कुलपति

प्रयागराज, 04 अगस्त (हि.स.)। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस चिर प्रतीक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

कुलपति ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है। हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड 19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ. जी.के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ. आर.बी सिंह क्षेत्रीय समन्वयक बरेली ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

हिन्दी दैनिक वर्ष : 11 अंक : 126, प्रयागराज, बुधवार 5 अगस्त 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

इलाहाबाद एक्सप्रेस

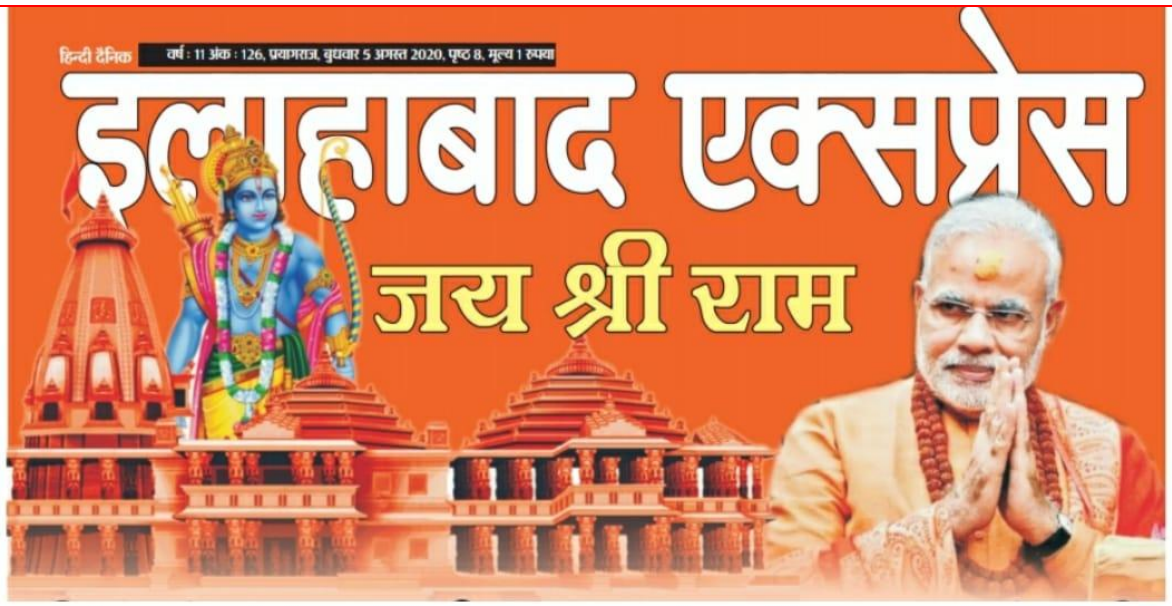

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता : कुलपति

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है।

उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस चिर प्रतीक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

कुलपति ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है। हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड 19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। प्रो. सिंह

ने कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ. जी.के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ. आर.बी सिंह क्षेत्रीय समन्वयक बरेली ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

प्रयागराज, बुधवार, 05 अगस्त 2020

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी एवं प्रयागराज से प्रकाशित

भूमि पूजन समारोह देगा एकता का संदेश, जय सियाराम: प्रियंका गांधी

काशी के प्रकांड पुरोहित वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रधानमंत्री से भूमि पूजन और शिलान्यास करायेंगे

प्रयागराज माटी

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता : प्रो. के एन सिंह

नैनी। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50% तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

कुलपति प्रो. के एन सिंह

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।

प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित

प्रकाशन का 73वां वर्ष

स्वतंत्र भारत

लखनऊ
बुधवार, 5 अगस्त 2020 ई.
भाद्रपद कृष्ण पक्ष 2
सं. 2077 वि.

epaper: swatantrabharat.net

वर्ष 73 | अंक 345 | नगर संस्करण* | पृष्ठ 16 | मूल्य 3.00 रुपये

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो.सिंह

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति २१वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में आनलाइन तथा आफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं २०३५ तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को ५०प्रतिशत तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजणष टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफसर सिंह ने कहा कि कोविड-१९ महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज आनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है। हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-१९ पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है। प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षाणथयों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डा. जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डा. आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डा.आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने आनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध २६ अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सूर्योदय : 05:16 बजे

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियताः प्रो. सिंह

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई

शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50ः तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिकध् से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

इन्क़िलाबी नज़र
लखनऊ, बुधवार 5 अगस्त 2020

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता : प्रो केएन सिंह

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है।

इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50ः तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड.19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिकध् से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात
आपके साथ

वर्ष : 09 अंक : 197 फतेहपुर, बुधवार, 05 अगस्त 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियताः प्रो के एन सिंह

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50इ तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।प्रोफेसर सिंह

ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षाथिन्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षाथिन्यों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com
अंक 148 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 5 अगस्त 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो के एन सिंह

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज, 4 अगस्त। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50% तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें

सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है। प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

Aag Gorakhpur

Page 1 05-Aug-2020

روزنامہ آگ اخبار آپ کا
URDU DAILY AAG GORAKHPUR www.dailyaag.com

نئی تعلیمی پالیسی سے تعلیم کی مقبولیت میں اضافہ: پروفیسر سنگھ

پریاگ راج (نامہ نگار)۔نئی تعلیمی پالیسی کے آنے سے تعلیم کی مقبولیت میں اضافہ ہوا ہے۔ ہندوستان اور ہندوستانیت کو مرکز میں رکھ کر تیار کی گئی نئی تعلیمی پالیسی ۲۱ ویں صدی کی ضروریات کے مطابق ہے۔اس پالیسی میں آن لائن اور آف لائن تعلیم کے ذریعہ تال میل بیٹھاتے ہوئے تعلیم میں بہترین تبدیلی پر خصوصی زور دیا گیا ہے۔ اترپردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی نئی تعلیمی پالیسی کا تہہ دل سے استقبال کرتی ہے۔اس دیرینہ زیر انتظار پالیسی کے عمل سے ہر میدان اور طبقہ تک اعلیٰ تعلیم کو پہنچانے کا راستہ صاف ہوگیا ہے اور ۲۰۳۵ تک اعلیٰ تعلیم کے تناسب کو ۵۰ فیصد پہنچانے کا حکومت ہند کا ہدف پورا ہوگا۔

مذکورہ خیالات اترپردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی پریاگ راج کے وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے منگل کو بریلی علاقائی مرکز سے ملحق تدریسی مراکز کے کوآرڈینیٹروں کے ورکشاپ کی صدارت کرتے ہوئے ظاہر کئے۔انہوں نے کہا کہ کووڈ-19 وبا کے اس دور میں اعلیٰ تعلیم حاصل کرنے کی شکل بدل گئی ہے۔آج آن لائن تعلیم کا بول بالا ہے۔ایسے میں ہمیں محدود ذرائع کے ذریعہ سے زیادہ سے زیادہ لوگوں کو تعلیم کے ذریعہ سے اعلیٰ تعلیم فراہم کرانا ہے۔ہمیں داخلے میں خصوصی توجہ دینے کی ضروری ہے۔یونیورسٹی نے اسی سیشن سے کووڈ-19 پر بیداری پروگرام شروع کیا ہے۔اس پروگرام میں وبا کے حملے سے بچنے کی تراکیب کو بتایا گیا ہے۔پروفیسر سنگھ نے کوآرڈینیٹروں نے کہا کہ طلباء کیلئے اورینٹیشن پروگرام مراکز پر چلائے جائیں۔مراکز پر ہی مسئلے کا حل کا دن مقرر کیا جائے۔جس سے طلباء کے مسائل کا فوری تصفیہ ہوسکے اور طلباء اس کورونا کے دور میں داخلہ لے کر بغیر کسی رکاوٹ کے اپنی تعلیم کو مکمل کرسکیں۔ورکشاپ کی نظامت ڈاکٹر جی کے دویدی نے اور مہمانوں کا استقبال ڈاکٹر آر بی سنگھ علاقائی کوآرڈینیٹر بریلی علاقائی مرکز میں کیا۔ ورکشاپ کے بارے میں علاقائی ڈائریکٹر ڈاکٹر آشوتوش گپتا نے معلومات فراہم کرائی۔

news@dailyaag.com and dailyaag@gmail.com Gorakhpur office: H.No. 422

Vol. 13 Issue 31 Daily pages - 8 Rs. 1.00 Morning Edition Prayagraj
PRAYAGRAJ WEDNESDAY, 5 AUGUST 2020 WEBSITE : www.jeevanexpress.in
JEEVAN EXPRESS

VC UPRTOU unveiled statue of Rajarshi Purushottam DasTandon

University gets gift on Rajarshi Tandon's birth anniversary

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: Birth anniversary of Rajarshi Purushottam Das Tandon was celebrated on Saturday at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University. On this day Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh unveiled his statue in the University Campus. All the officials and teachers of the University while maintaining social distancing remembered him and garlanded his statue.

It is worth mention that the statue of Rajarshi Purushottam Das Tandon was awaited since the inception of the Open University. Which was completed by VC Prof. Kameshwar Nath Singh on Saturday. Speaking on the occasion, Prof. Kameshwar Nath Singh said that Bharat Ratna Purushottam Das Tandon, a man of multifaceted personality and a servant of India and Indianness, was a vigilant guardian of the nation. He devoted his entire life to service to the nation. His personality and gratitude are exemplary for the present and the next generation.

Prof. Singh further said that if any person is disturbed due to any reason for his service and dedication to the nation, then he should understand the personality and gratitude of Rajarshi Purushottam Das Tandon. He believed that Hindi is the soul of India and Promotion of Hindi is necessary to overcome colonial thinking and mentality. Along with Hindi, he favored developing other Indian languages. The Government of India has expressed its gratitude to Rajarshi Tandon by making provision of primary education through mother tongue in the new education policy.

University Finance Officer Ajay Kumar Singh, Controller of Examination Devendra Pratap Singh, Deputy Registrar Engg Sukhram Mathuria, Estate Officer Dr. Anil Singh Bhadauria, In-charge stationary Dr. S Kumar, Dr. Satish Chand Jaisal, Dr. Abhishek Singh, Dr. Prabhat Chandra Mishra, Indu Bhushan Pandey and many teachers and officers garlanded his statue on the occasion.

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, बुधवार, 05 अगस्त 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता : प्रो के एन सिंह

अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज।नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50: तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। उक्त उदगार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने

मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड–19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिकः से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड–19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है। प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

दैनिक

खबरों में हमारा शहर

भोपाल नागपुर से प्रकाशित व जयपुर से प्रसारित www.khabromehamarashahar.com

वर्ष- 8 अंक-115 भोपाल, बुधवार 5 अगस्त 2020 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपये

राष्ट्रीय

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियताः प्रो के एन सिंह

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50त्र तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरुकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है। प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

आवाज़-ए-आम

जन तपिस

जन जन की आवाज़

वर्ष : 6 अंक : 209 लखनऊ, बुधवार, 05 अगस्त 2020 पृष्ठ : 4 मूल्य 1 रुपया

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता- प्रो के एन सिंह

सुधीर सिन्हा प्रयागराज।नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50: तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

उक्त उदगार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड–19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड–19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।

प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

www.anuragdarshan.com

अनुराग दर्शन 24 hours

न्यूज वेब पोर्टल

Office : 8 Municpal Market, Alopibagh, Allahabad-211006 Mob- 9936515820, 9455688396

अनुराग शुक्ला संपादक

अन्य समाचार

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो के एन सिंह

August 4, 2020 Anurag shukla

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50% तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।

प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

प्रयागराज, बुधवार
5 अगस्त, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और पं. बंगाल से प्रकाशित

प्रियंका ने राम मंदिर को बताया एकता का पर्याय 10

मोदी के नेतृत्व में एक और इतिहास रचने की दहलीज पर भाजपा 10

श्रीराम

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े विहिप नेता हरिद्वाद मौर्य कहते हैं कि राम केवल एक नाम नहीं बल्कि जन जन के मन प्राण और कंठ स्वर हैं। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर भगत और भाव का संचित कर आस्था एवं विश्वास को परिभाषित करेगा।

तैयारी

मुविवि कार्य परिषद की बैठक में प्रोन्नत करने का तय किया गया फार्मूला

50 हजार शिक्षार्थी होंगे प्रोन्नत

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रथम और द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थियों को बगैर परीक्षा अगली कक्षा में प्रोन्नत करेगा। कोरोना संक्रमण को लेकर हालात सामान्य होने पर सितंबर अथवा अक्टूबर में अंतिम वर्ष की वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षाएं कराई जाएंगी। जल्द ही शैक्षणिक कैलेंडर भी जारी कर दिया जाएगा। यह निर्णय पिछले दिनों हुई कार्य परिषद की बैठक में लिया गया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने केवल अंतिम वर्ष की परीक्षा कराने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में मुविवि कार्यपरिषद की बैठक में प्रथम व द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थियों को सर्वसम्मति से प्रोन्नत करने का फार्मूला तय हुआ है। मुविवि से जुड़े प्रदेश भर के तकरीबन 50 हजार से अधिक शिक्षार्थी प्रोन्नत किए जाएंगे। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं सामान्य स्थिति होने पर कराई जाएंगी। बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी और एमकॉम प्रथम और द्वितीय वर्ष के परीक्षार्थियों को अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाएगा।

> यूजीसी और प्रदेश सरकार के निर्देश के क्रम में प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को प्रोन्नत किया जाएगा। अंतिम वर्ष की परीक्षाएं कराई जाएंगी। जल्द ही कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा।
>
> **- प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि**

अगली कक्षा की परीक्षा में जो अंक मिलेगा, उसी आधार पर छात्रों को पिछले वर्ष के लिए अंक दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 25 अगस्त से कराने की तैयारी में था। हालांकि शैक्षणिक संस्थानों के खुलने पर पाबंदी के चलते अभी इस पर फैसला नहीं लिया जा सका।

हिन्दी दैनिक
सावन साहिल
जज़्बा सच लिखने का...
प्रतापगढ़, बुधवार 05 अगस्त 2020 R.N.I. No. UPHIN/2015/62280 मूल्य-2 रुपया

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता– प्रो0 केएन सिंह

सावन साहिल ब्यूरो

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड–19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिकद से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड–19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन

केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
सदभावना का प्रतीक
वर्ष -10, अंक 91 बस्ती, बुधवार 5 अगस्त 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPH

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो के एन सिंह

सदभावना का प्रतीक
समाचार प्रतापगढ/प्रयागराज

नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50% तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।

प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

अमर उजाला
प्रयागराज बुधवार, 5 अगस्त 2020
amarujala.com
गोल्फ चैंपियनशिप अमेरिकी महिला एमेच्योर में खेलने वाली पहली भारतीय अनिका...17
उत्तर प्रदेश
अमर उजाला प्रयागराज amarujala.com प्रयागराज | बुधवार, 5 अगस्त 2020 9

राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने तय किया प्रमोशन का फार्मूला

स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष, पीजी प्रथम वर्ष के छात्रों को किया जाएगा प्रमोट

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं को बिना परीक्षा प्रमोट करने का फार्मूला तय कर लिया है। इसके साथ ही अंतिम वर्ष एवं अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं सितंबर से अक्तूबर के बीच कराए जाने की तैयारी है, लेकिन परीक्षा के आयोजन पर यूजीसी एवं प्रदेश सरकार से आवश्यक दिशा-निर्देश जारी होने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

मुविवि ने तय किया कि बीए, बीएससी, बीकॉम के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष और एमए, एमएससी, एमकॉम के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को बिना परीक्षा के अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाएगा। भविष्य में अगली कक्षा की परीक्षा में विद्यार्थी को जो अंक मिलेंगे, वही अंक पिछली कक्षा के लिए मान्य होंगे। उदाहरण के तौर पर बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष में बिना परीक्षा के प्रमोट किया जाएगा। भविष्य में द्वितीय वर्ष की परीक्षा में उसे जो अंक मिलेंगे, वही अंक प्रथम वर्ष के लिए भी मान्य होंगे। यही फार्मूला स्नातक द्वितीय से तृतीय वर्ष और परास्नातक प्रथम से द्वितीय वर्ष में प्रमोट किए जाने वाले छात्रों पर भी लागू होगा।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 26 | अंक : 277
प्रतापगढ़ | बुधवार, 5 अगस्त-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता- प्रो के एन सिंह

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50ब तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है।प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

दैनिक जागरण
Prayagraj Friday 7 August 2020
PRAYAGRAJ EDITION
www.inextlive.com
सैटेलाइट्स देंगे मिसाइल का जवाब 10
सालों से थी कैट संग काम करने की इच्छा : ईशान 08
inext
कोरोना होने का शक है कॉल करें : 0532-226609
4 Prayagraj 7 August 2020
www.inextlive.com/allahabad/local
INEXT CITY FOCUS/CHAI-TIME

राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी में 31 तक प्रवेश

PRAYAGRAJ (6 Aug): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई 2020 के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त कर दी गई है. प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को दृष्टिगत वीसी प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है. डॉ यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट wwww. uprtou.ac.in पर जाकर एडमिशन के ऑनलाइन वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए शिक्षार्थी निर्धारित तिथि तक अपना प्रवेश अंतिम रूप से सुनिश्चित करा लें.

www.sahajsatta.in facebook.com/sahajsatta.allahabad
सहजसत्ता
सत्य की सत्ता को समर्पित
शुक्रवार, 7 अगस्त 2020

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रवेश 31 अगस्त तक

विधान केसरी

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश 31 अगस्त तक

जनसंदेश टाइम्स

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रवेश 31 अगस्त तक

हरबात

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश 31 अगस्त तक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020 के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2020 तक बढ़ा दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को दृष्टिगत रखते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है।वेबसाइट डब्लू डब्लू डब्लू डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन तथा एडमिशन के ऑनलाइन वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए शिक्षार्थी निर्धारित तिथि तक अपना प्रवेश अंतिम रूप से सुनिश्चित करा लें।

अमृत प्रभात

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश 31 तक

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020 के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को दृष्टिगत रखते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। डॉ यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्लू डब्लू डब्लू डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन तथा एडमिशन के ऑनलाइन वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए शिक्षार्थी निर्धारित तिथि तक अपना प्रवेश अंतिम रूप से सुनिश्चित करा लें।

अमृत विचार

यूपीआरटीएयू में प्रवेश के लिए 31 तक बढ़ी तिथि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020 के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को दृष्टिगत रखते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने यह निर्णय लिया है। डॉ यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्लू डब्लू डब्लू डॉट यूपीआरटीओयू डॉट एसी डॉट इन तथा एडमिशन के ऑनलाइन वेब लिंक पर पंजीकरण कराते हुए शिक्षार्थी निर्धारित तिथि तक अपना प्रवेश अंतिम रूप से सुनिश्चित करा लें।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि अब 31 अगस्त तक

स्वतंत्र चेतना

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 तक

स्वतंत्र भारत

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश 31 अगस्त तक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुविवि में प्रवेश 31 अगस्त तक

JEEVAN EXPRESS

UPRTOU extends last date for admission till 31st

PRAYAGRAJ: The last date for admission in all courses of the session July 2020 in Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) has been extended till August 31. While giving information entrance in-charge Dr. Gyan Prakash Yadav said that due to COVID-19 epidemic, Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh has taken this decision. Dr. Yadav further informed that students should register themselves by prescribed date on online web link of admission on the University's website.

प्रस्तुति:- डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र

दैनिक जागरण
www.jagran.com
भारी निवेश के बगैर शिक्षा में नहीं दिखेगा बदलाव 15
फेसबुक ने पहली बार ट्रंप की भ्रामक पोस्ट हटाई 17
युवा जागरण 14

मुविवि में आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ी

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नए सत्र जुलाई 2020 के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने दी। बताया कि लॉकडाउन की वजह से कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर यह निर्णय लिया है।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

07 अगस्त, 2020

नई शिक्षा नीति पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सम्बोधन

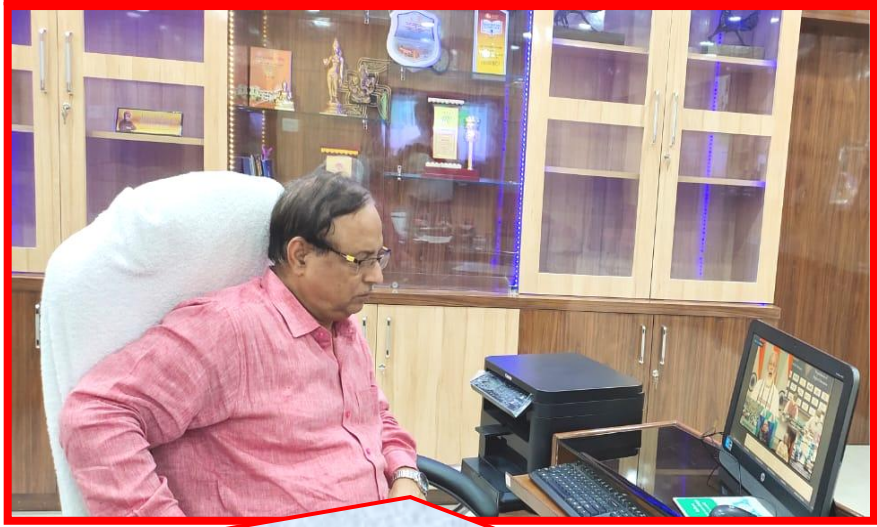

नई शिक्षा नीति के सन्दर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा **'Conclave on Transformational Reforms in Higher Education under National Education Policy, 2020'** पर दिनांक 07 अगस्त, 2020 को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपरोक्त विषय पर भारत के **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** नें उद्घाटन सत्र को सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

नई शिक्षा नीति पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सम्बोधन सुनते हुए उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

देश में शिक्षा और शिक्षा नीति में बदलाव

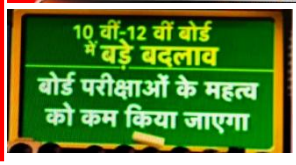

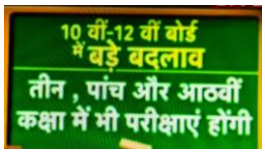

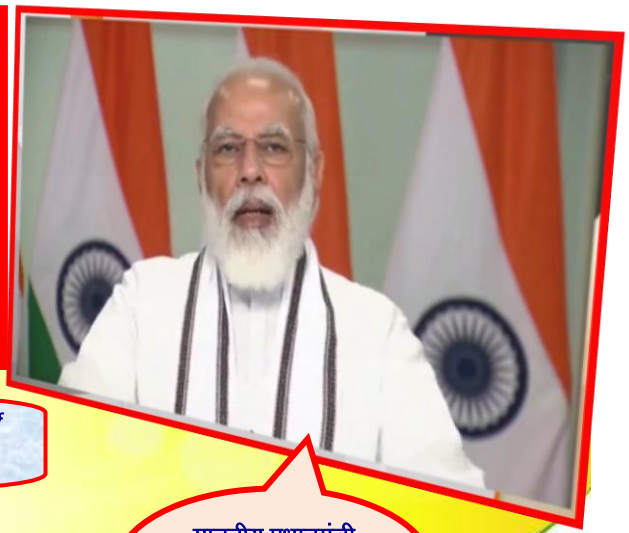

नई शिक्षा नीति पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सम्बोधन सुनते हुए उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी

नई शिक्षा नीति पर माननीय अतिथियों के विचारों को सुनते हुए उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति पर अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए माननीय अतिथिगण

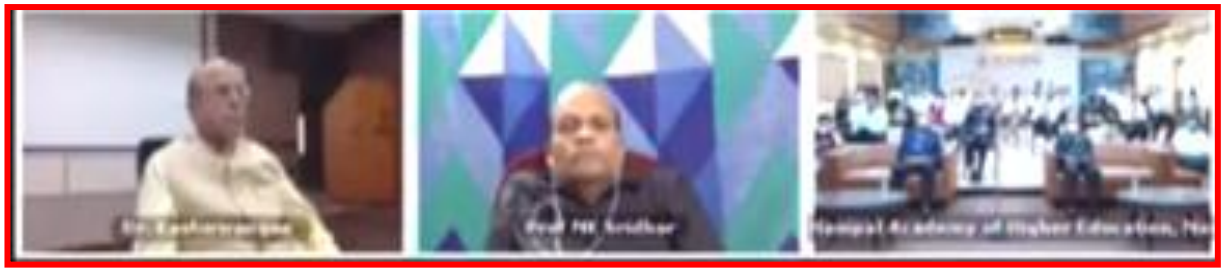

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

10 अगस्त, 2020

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के अन्तर्गत आने वाने अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवं समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के समन्वयकों की ऑनलाईन कार्यशाला में बोले कुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र के प्राचार्यों एवं समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 10 अगस्त, 2020 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर **''दूरस्थ शिक्षा की समकालीन स्थिति एवं वर्तमान सत्र हेतु नियोजन''** विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

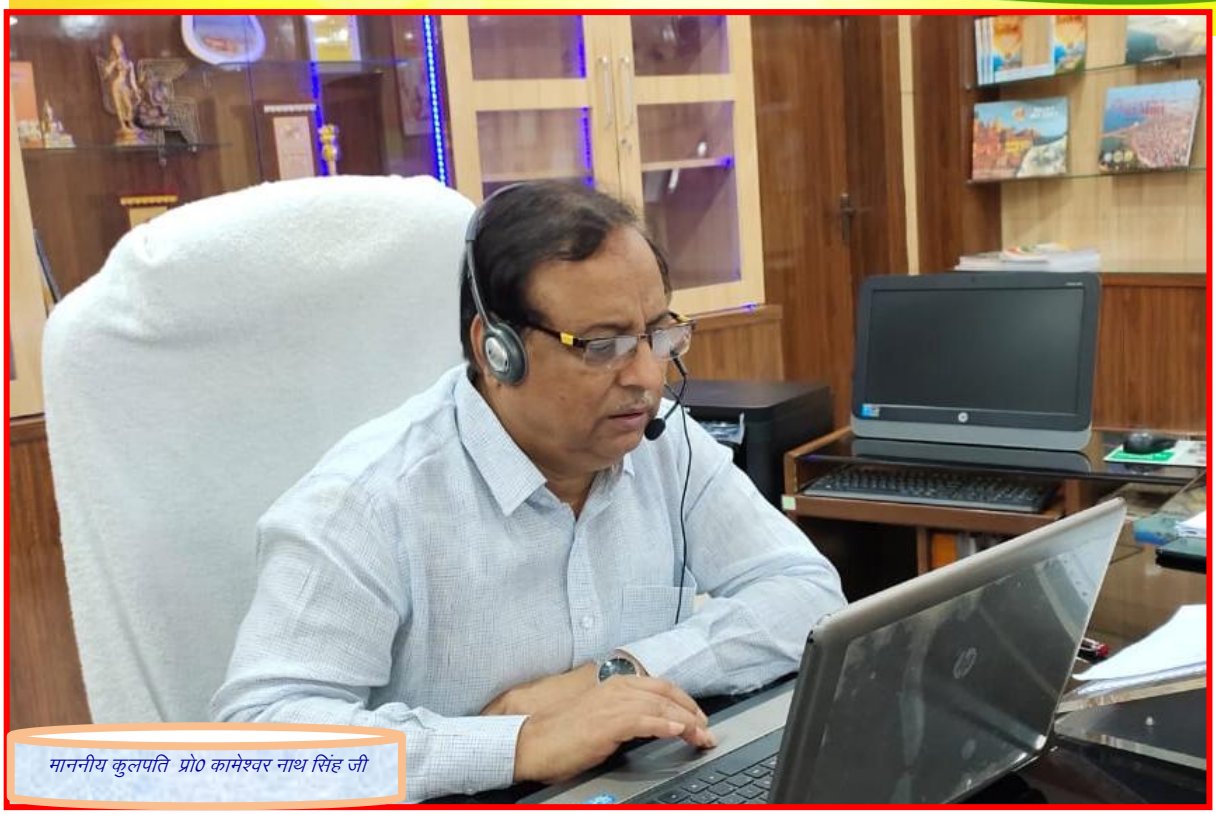

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

''दूरस्थ शिक्षा की समकालीन स्थिति एवं वर्तमान सत्र हेतु नियोजन'' विषय पर कार्यशाला आयोजित

प्रतिवर्ष प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले केन्द्रों की कार्यशाला प्रवेश, परीक्षाफल, अधिन्यास, पाठयसामग्री एवं सत्र की कार्यवृत्ति को लेकर हर वर्ष जुलाई माह में आयोजित की जाती है। इसी कडी में कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र की आन लाइन कार्यशाला आज आयोजित की गयी। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों एवं मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का स्वागत क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर की समन्वयक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के समापन पर संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। **कार्यशाला में** कानपुर मण्डल के जनपदो में स्थित **अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।**

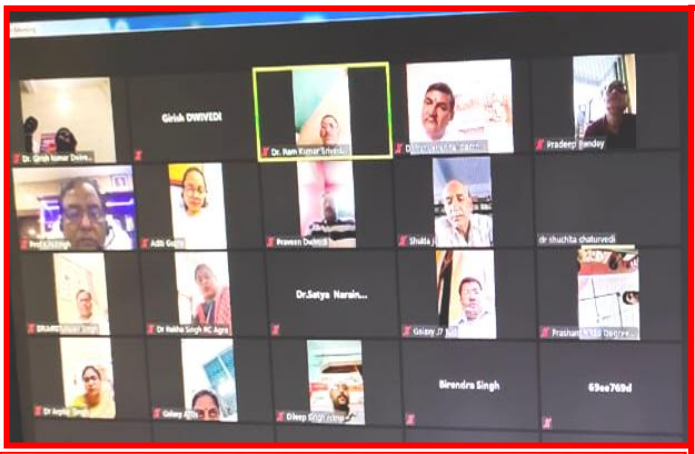

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

संचालन

कार्यशाला के संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

संचालन करते हुए कार्यशाला के संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

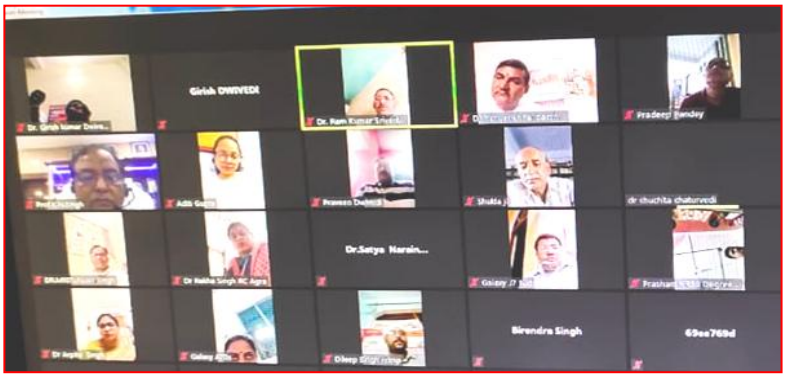

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

स्वागत

कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती को नमन करते हुये किया गया। क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी ने मा0 कुलपति जी, अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों, प्राध्यापकों एवं तकनीकी अधिकारियों का स्वागत किया।

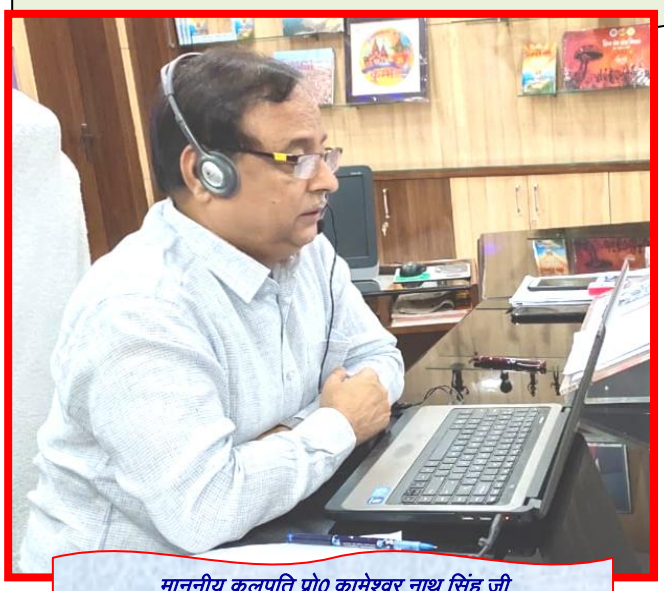

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

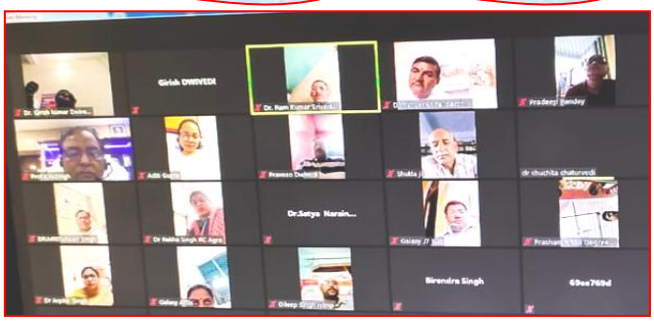

परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों/समन्वयकगण एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

कार्यशाला के विषय में

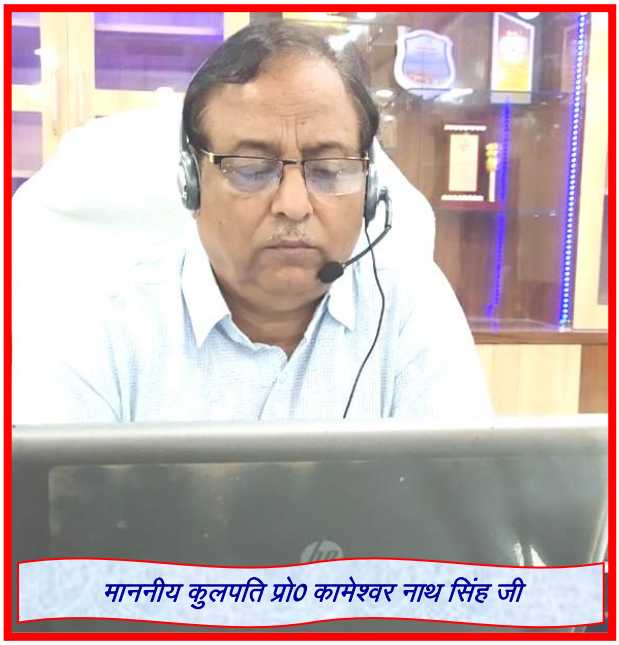

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कार्यशाला का विषय प्रवर्तन करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र कापुर के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय ने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

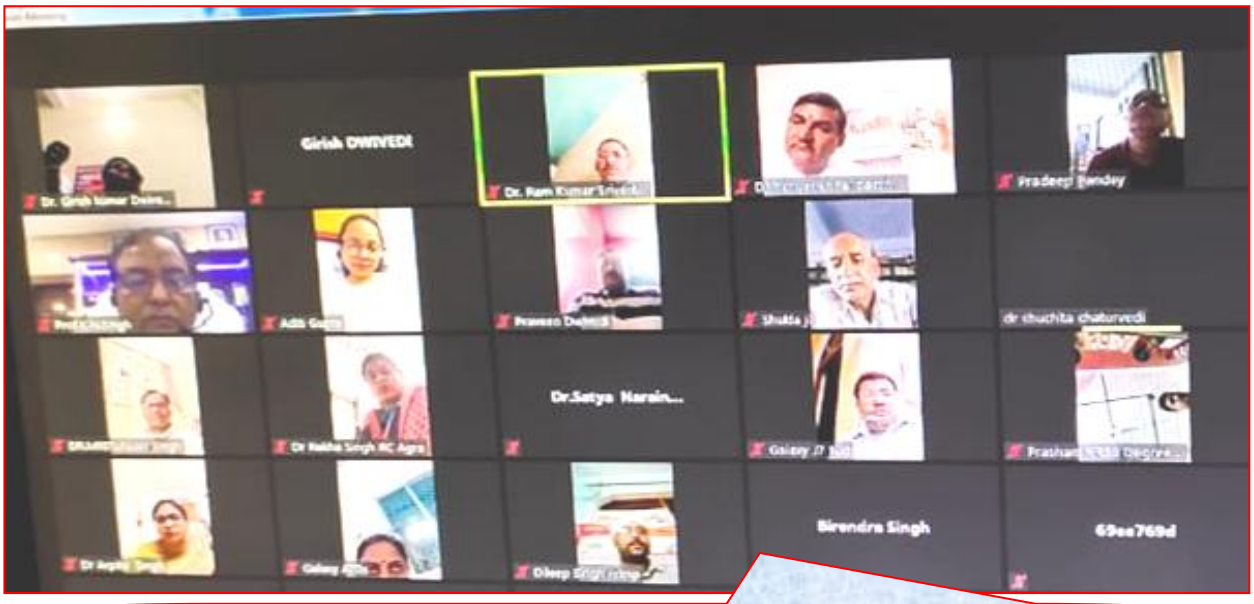

ऑनलाइन कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

लचीलेपन एवं सर्व अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की दिनानुदिन लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थायें बन्द पडी है, मुक्त विश्विद्यालय में नामांकन जारी है, एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं।

उक्त उदगार उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कायशाला की अध्यक्षता करते हुये व्यक्त किये।

प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केन्द्रों के बीच बेहतर संवाद एवं समविमर्श स्थापित करने के लिये इस सत्र में पहले वर्चअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा, जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें।

विचार विमर्श सत्र

समस्या एवं सुझाव सुनते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

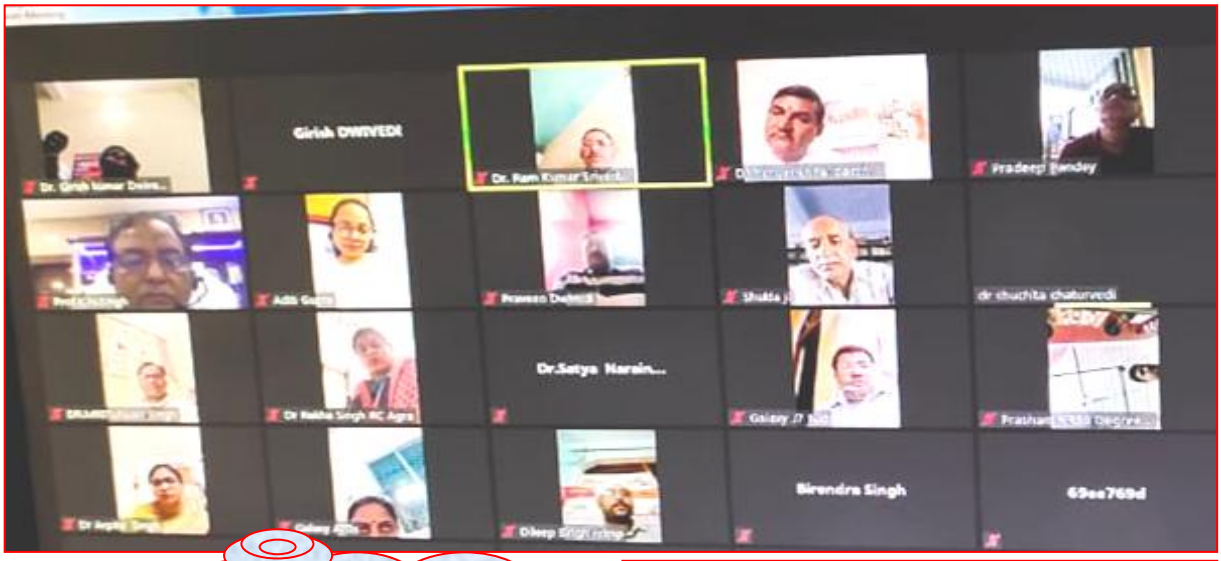

ऑनलाइन कार्यशाला में अपनी समस्या एवं सुझाव दते हुए कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकगण।

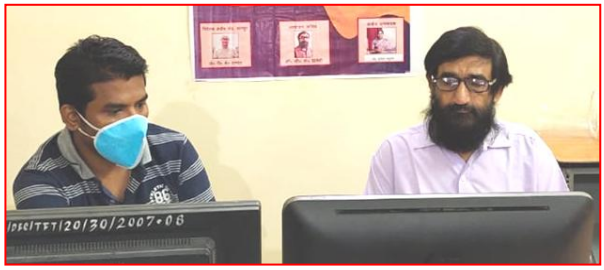

विचार विमर्श सत्र के पश्चात मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी का पुनः उद्‌बोधन

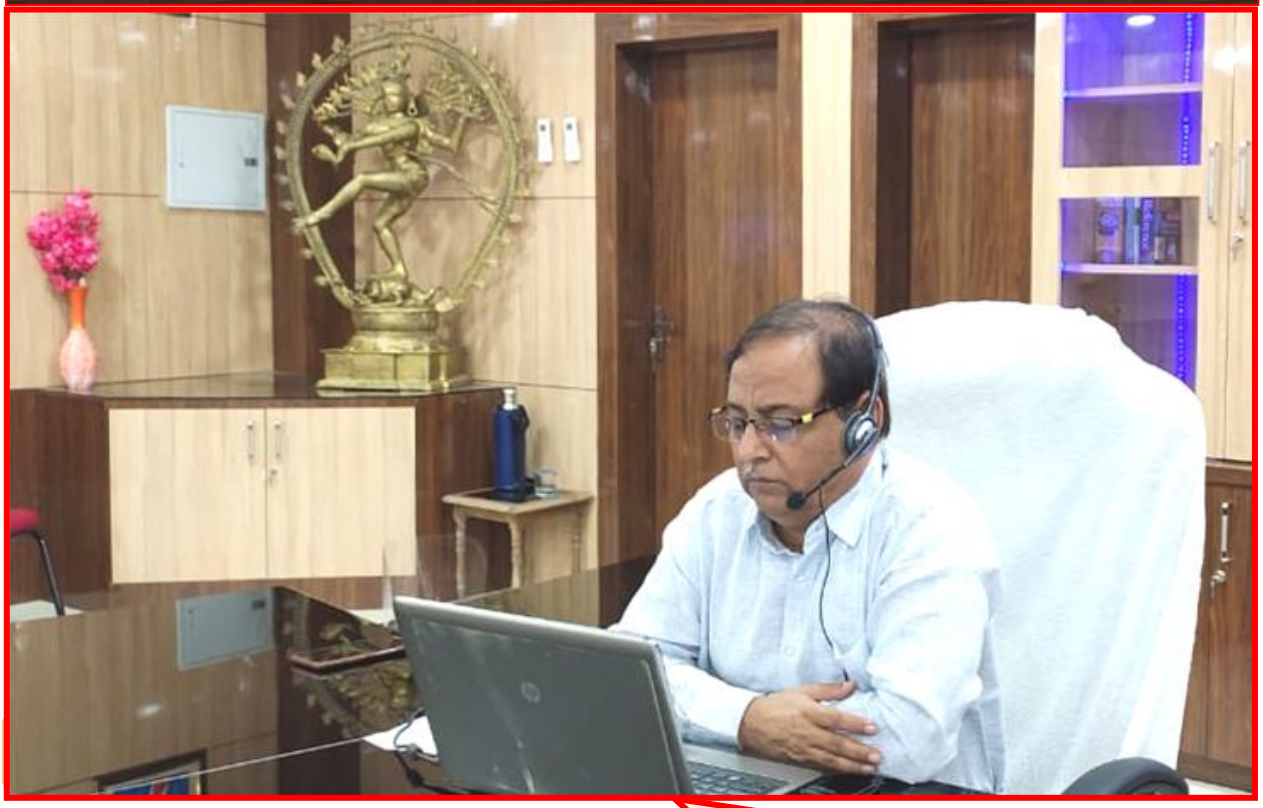

प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक से कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सभी केंद्र समन्वयको से आग्रह किया कि वह अपने केंद्र के प्रांगण में न केवल एक-एक वृक्ष लगाएं वरन उस वृक्ष को गोद ले लें, जिससे पर्यावरण को संरक्षित एवं समृद्ध किया जा सके। उन्होंने विचार सत्र में विभिन्न अध्ययन केंद्रों के सुझाव एवं समन्वयकों की समस्याओं को सुना एवं सार्थक सुझाव को अमल में लाने एवं समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया।

कार्यशाला में उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के प्रभारी निदेशक, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, कानपुर की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी एवं कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

धन्यवाद ज्ञापन

कार्यक्रम के अन्त में कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने मा0 कुलपति जी, आयोजन समिति, अध्ययन केन्द्र के प्राचार्यो, समन्वयकों, विद्वतजनों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, निदेशकों, प्रभारियों, अध्यापकों एवं तकनीकी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

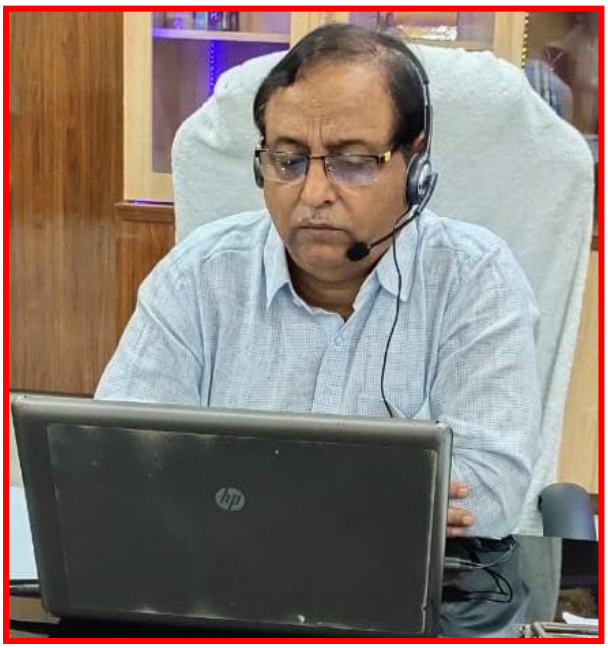

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी

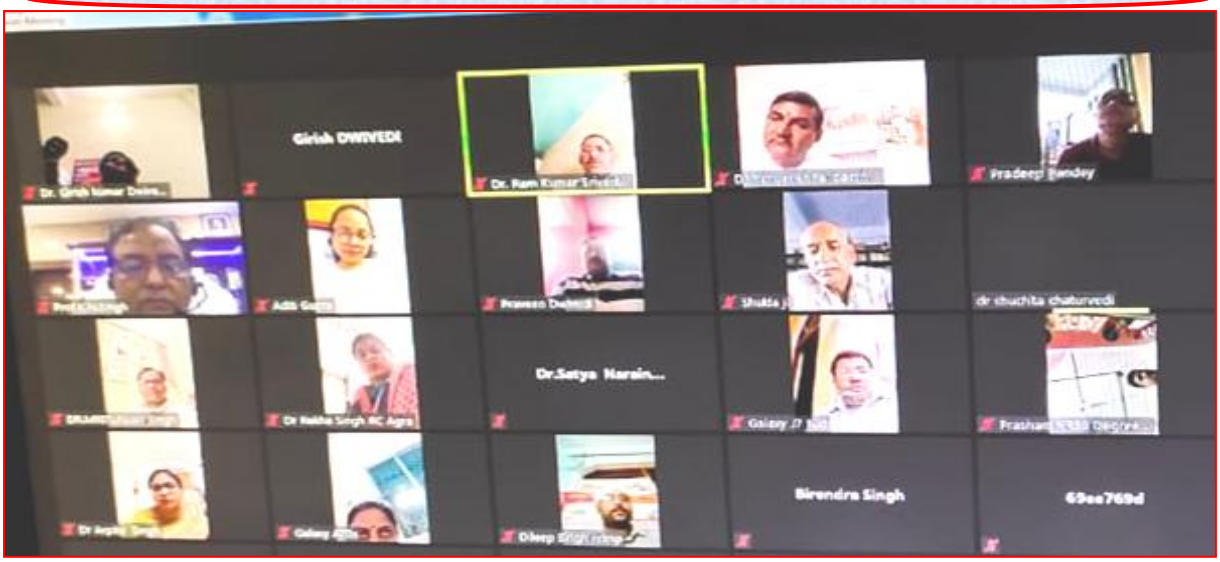

धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात राष्ट्रगान के लिए सभी को अपने–अपने स्थान पर खडे होने का आग्रह किया गया। राष्ट्रगान की समाप्ति के पश्चात कार्यशाला के समापन की घोषणा मा0 कुलपति जी के अनुमति से की गयी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

10 अगस्त, 2020

- कोरोना संकट के बीच कैसे बढ़ रहे हैं आगे
- चुनौतियों का कैसे करे सामना
- शिक्षा, स्वाथ्य और दुसरे क्षेत्र में कई चुनौतियां
- अलग–अलग सेक्टर से जुड़े खास मेहमानों से चर्चा

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

3 राजधानी
आज से दिल्ली के लिए नान स्टॉप बस सेवा
6 अभिमत
नई शिक्षा नीति के मूल में है भारतीयता
10 स्पोर्ट्स
हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह कोरोना पॉजिटिव
11 विदेश
श्रीलंका में स्कूल पूरी तरह से खुले

RNI NO. UPHIN/2010/36547
लखनऊ, मंगलवार, 11 अगस्त, 2020

प्रसिद्धि के पीछे नहीं भागती
विविध-12

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

फ्लोर टेस्ट से पहले थमा राजस्थान में सियासी तूफान

कोविड अस्पतालों में बढ़ाएं स्टाफ : योगी

दिनों दिन बढ़ रही दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: कुलपति

● कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज। लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की दिनों दिन लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में ही है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी हैं। मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में कहीं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं विमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें। क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों और समन्वयकों तथा कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉक्टर शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने कार्यशाला के बारे में सभी को बताया। कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉक्टर गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। इस मौके पर मीडिया प्रभारी डॉक्टर प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

इंजमाम बोले, पाक अब भी सीरीज जीत सकता है पेज 12 | भारतीय-अमेरिकियों का चीन के खिलाफ प्रदर्शन पेज 14

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मंगलवार, 11 अगस्त 2020, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 11, अंक 190, 14 पेज, मूल्य ₹5.00, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, अष्टमी, विक्रम संवत् 2077

दूरस्थ शिक्षा की बढ़ रही लोकप्रियता

प्रयागराज। लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है।

मुक्त विवि में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं। यह बातें राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किए। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने कार्यशाला के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने स्वागत किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रो. पीके पांडेय ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. गिरीश द्विवेदी ने किया।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, मंगलवार
11 अगस्त, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16
www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित
शुभ जन्माष्टमी

पूर्वांचल और बुंदेलखंड में निवेश पर मिलेगी विशेष छूट 7 | पांच राज्यों में बिजली चोरी पर रोक अभी भी मुश्किल 9

'अधिकतम लोगों तक पहुंची दूरस्थ शिक्षा'

ऑनलाइन कार्यशाला

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : लचीलेपन के चलते दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ इसी में है। जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद हैं। वहीं मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में कहीं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह • साभार : मीडिया सेल

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों एवं कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पीके पांडेय ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजक सचिव डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

3 राजधानी
आज से दिल्ली के लिए नान स्टॉप बस सेवा
6 अभिमत
नई शिक्षा नीति के मूल में है भारतीयता
10 स्पोर्ट्स
हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह कोरोना पॉजिटिव
11 विदेश
श्रीलंका में स्कूल पूरी तरह से खुले

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 240
लखनऊ, मंगलवार, 11 अगस्त, 2020
मूल्य 20 पृष्ठ ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

प्रसिद्धि के पीछे नहीं भागती
विविध-12

www.dailypioneer.com

फ्लोर टेस्ट से पहले थमा राजस्थान में सियासी तूफान

कोविड अस्पतालों में बढ़ाएं स्टाफ : योगी

नई शिक्षा नीति के मूल में है भारतीयता

नई शिक्षा नीति में छठी कक्षा से ही कम्प्यूटर शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा का प्रावधान होने के साथ-साथ समीप में ही इंटर्नशिप की भी योजना है, जो बेरोजगारी दूर करने में प्रभावी सिद्ध होगी।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह
(लेखक राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति हैं।)

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारत एवं भारतीयता को केन्द्र में रखकर तैयार की गयी, नई शिक्षा नीति इक्कीसवीं शताब्दी के भारत की आवश्कता एवं अपेक्षा के अनुरूप एक विशिष्ट अभिलेख है, जिसे व्यावहारिक आयाम देकर भारत दुनिया में ज्ञान शक्ति का नेतृत्व करने वाला अग्रणी देश होगा। सभी विश्वविद्यालयों के अध्ययन बोर्ड, विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् से यह अपेक्षित है कि नई शिक्षा नीति के विविध पक्षों पर विचार करते हुए अपने पाठ्यक्रम में समाहित करें एवं शोध तथा अध्ययन की विधा में इसे क्रियान्वित करें। केन्द्र की सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति की घोषणा के बाद शैक्षिक परिसरों एवं शिक्षाविदों की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही बढ़ गयी है। नई शिक्षा नीति राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की दिशा में आदर्श व्यक्तियों का संच खड़ा करने में सक्षम एवं दक्षसिद्ध होगी, जो आज के वैश्विक परिवेश में समय की अपरिहार्य आवश्यकता है।

प्रश्न यह उठता है कि नई शिक्षा नीति में नया क्या है? इसका उत्तर पाने के लिए हमें पूर्व की शिक्षा नीतियों क्रमशः 1968 की कोठारी कमीशन एवं राजीव गांधी के नेतृत्व में 1986 की शिक्षा नीति का अवलोकन करना होगा। कोठारी कमीशन मुख्यतः ग्रेट-ब्रिटेन, यूएसएसआर तथा यूनेस्को के विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार की गई, जिसमें 'सर्व शिक्षा' पर जोर दिया गया। परन्तु उसकी संस्तुतियां भारतीय गर्भनाल से कटी हुई थी एवं शिक्षा के प्रति उसमें एक समग्र दृष्टि का अभाव था। 1986 की शिक्षा नीति छद्म धर्मनिरपेक्षता एवं समाजवाद पर आधारित रही जिसमें भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों को समाप्त कर दिया। इसका असर यह हुआ कि शिक्षा में राष्ट्रीय सोच का क्षरण होना प्रारम्भ हो गया। समाजहित और राष्ट्रहित में सोचने वाले आम नागरिक से लेकर छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा राष्ट्रवाद की दृष्टि को लेकर एक शैक्षिक पुनर्रचना की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही। 2014 के राष्ट्रीय चुनाव में नई शिक्षा नीति एक वैचारिक मुद्दा बनी तथा 2015 में सतत विकास के लक्ष्यों को अपनाये जाने के बाद लक्ष्य-4 के 'तहत समग्र एवं समान शिक्षा तथा आजीवन सीखने के अवसर' उपलब्ध कराने हेतु भारत की प्रचलित शिक्षा पद्धति को नये कलेवर में ढालने की आवश्यकता महसूस हुई। वस्तुतः नई शिक्षा नीति शिक्षा की समकालीन 5 चुनौतियों क्रमशः सर्व क्षेत्र अभिगम्यता, समानता, गुणवत्ता, आर्थिक वहनीयता एवं उत्तरदायित्व से निपटने का एक सार्थक एवं सशक्त प्रयास है।

1968 एवं 1986 की शिक्षा नीतियों में शिक्षा को राष्ट्रीय विकास का उपागम मानते हुये नये परिवेश एवं परिस्थिति में एक समग्र एवं दूरगामी शैक्षिक दृष्टि का अभाव झलकता है, जिसकी पूर्ति नई शिक्षा पद्धति से हो जाती है। नई शिक्षा नीति में एक ऐसे शैक्षिक तंत्र के निर्माण की परिकल्पना है जिसकी जड़े भारत एवं भारतीयता के नैतिक मूल्यों में हो तथा वैज्ञानिकता पूर्ण सोच के समावेश के चलते भारत को वैश्विक धरातल पर एक 'सुपर नालेज पॉवर' के रूप में समर्थ बना सके। नई शिक्षा नीति के कार्यक्रम चौथी औद्योगिक क्रान्ति के सम्भावित परिणामों के अनुरूप युवाओं को सृजनात्मक एवं रचनात्मक दिशा बोध कराने एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को कार्यरूप देने में सक्षम सिद्ध होगी। उक्त सक्षमता को सिद्ध करने के लिये नई शिक्षा नीति में उल्लेखित किंचित तथ्यों एवं विशिष्टताओं को यहां उल्लेखित करना आवश्यक है। नई शिक्षा नीति की प्रथम विशिष्टता मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्थान पर 'शिक्षा मंत्रालय' की स्थापना में झलकती है।

मानव संसाधन शब्द की चर्चा में अन्य प्राकृतिक संसाधनों यथा, खनिज, मिट्टी आदि की तरह एक वस्तु का बोध होता है जो शिक्षा की मौलिकता पर एक प्रहार है। शिक्षा केवल मानव संसाधन विकास का माध्यम नहीं अपितु व्यक्ति की अंतर्निहित क्षमता एवं दक्षता के प्रस्फुटन, विकास एवं विस्तार का पर्याय है। जो भाव शिक्षा मंत्रालय कहने में है, वह भाव मानव संसाधन मंत्रालय कहने से तिरोहित हो जाता है। नई शिक्षा नीति की दूसरी उत्कृष्टता मातृभाषा या आंचलिक भाषा के माध्यम से बच्चों को शिक्षित करने की सोच में झलकती है। ज्ञातव्य है कि शिशु इस संसार में आने के बाद अपनी मां से स्वभाविक रूप में जिस भाषा में संवाद करता है, वह भाषा अधिगम्य के लिए सबसे सशक्त माध्यम है। गुणवत्ता एवं आधुनिकता तथा व्यावसायिकता के नाम पर किसी अन्य भाषा के माध्यम से अधिगम की अनिवार्यता स्वभाविक अधिगम को कुंठित करती है एवं इससे अधिगम पर एक तरफ भाषा तो दूसरी ओर विषय की जटिलता का दोहरा दबाव पड़ता है। ऐसी परिस्थिति में बच्चे की सीखने की क्षमता प्रभावित होती है और वह परीक्षा एवं परिणाम के दबाव में तथ्यों के तोता रटन्त उपागम पर ध्यान केन्द्रित करता है। अधिगम में इस तरह की कृत्रिमता बच्चों के स्वभाविक एवं सहज विकास में अवरोध है।

इस नई शिक्षा पद्धति में मातृभाषा एवं आंचलिक भाषा को स्वभाविक अधिगम का माध्यम बनाकर अनुभव एवं प्रयोगों के साथ शिक्षा देने पर जोर है। देश की चहती हुई जनसंख्या के मद्देनजर जनांककीय लाभांश प्राप्त करने की दृष्टि से सभी को रोजगार लायक बनाना नई शिक्षा नीति की तीसरी विशिष्टता है। उल्लेखनीय है कि नई शिक्षा नीति में छठी कक्षा से ही कम्प्यूटर शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा का प्रावधान होने के साथ-साथ समीप में ही इंटर्नशिप की भी योजना है, जो बेरोजगारी दूर करने में प्रभावी सिद्ध होगी। आठवीं पास करते-करते छात्र अपनी रुचि एवं प्रकृति के अनुसार कौशल विकास करते हुये स्व-रोजगार की दिशा में अपने को स्थापित करने में सक्षम होगा।

नई शिक्षा नीति की चौथी विशिष्टता उसका अंतरविषयक उपागम है। अभी तक माध्यमिक स्तर पर कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं कृषि जैसी विभिन्न शाखाओं में छात्रा अपनी अभिरुचि के अनुसार अपनी दिशा निर्धारित करता था। इन शाखाओं के चयन में अंतरविषयक उपागम का सर्वथा अभाव ही नहीं अपितु प्रतिबन्धित था। परिणामतः विज्ञान का छात्रा विज्ञान शाखा का विद्यार्थी रहते हुये संगीत में रुचि होने के बावजूद भी संगीत विषय का चयन नहीं कर सकता था। अब नई शिक्षा नीति ने विभिन्न विषयों के बीच प्रतिबंधित दीवार को समाप्त कर दिया है। अब कोई भी छात्रा किसी भी शाखा में अध्ययन करते हुये अपनी रुचि एवं प्रकृति के अनुसार पसंदीदा विषय का चयन कर सकता है। इस प्रकार नई शिक्षा नीति में हर बच्चे के अन्दर अन्तर्निहित प्रतिभा को प्रस्फुटित करने का अवसर दिया है। नई शिक्षा नीति की पांचवी विशिष्टता स्थानीय एवं आंचलिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन है।

उल्लेखनीय है कि प्रकृति ने जैसे हर व्यक्ति को अलग-अलग गुण दिया है, वैसे ही हर क्षेत्र को पृथक-पृथक संसाधन दिया है। अतः स्थानिक एवं आंचलिक संसाधनता एवं आवश्यकता को देखते हुए पाठ्यक्रम की रचना स्थानिक विविधता एवं आंचलिक जनाकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं को पूर्ण करने में कारगर सिद्ध होगी। क्रेडिट ट्रांसफर की व्यवस्था नई शिक्षा नीति की छठीं अनूठी विशिष्टता है, जिसके तहत 5334 में, यदि अंतिम चार वर्षों में किन्हीं कारणों से कोई छात्रा चार वर्ष की पढ़ाई पूरा नहीं कर पाता तो भी वह खाली हाथ नहीं रहेगा व उसका परिश्रम बेकार नहीं जायेगा। एक साल पूरा करने पर सर्टिफिकेट, दो साल पूरा करने पर डिप्लोमा एवं तीन साल पढ़ाई पूरा करने पर उसे स्नातक डिग्री मिलेगी। इसी तरह चार साल पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद उसे शोध करने के भी अवसर मिलेंगे। स्नातकोत्तर कक्षायें पूर्ववत चलती रहेंगी। उच्च शिक्षा को संचालित करने वाली विभिन्न नियामक संस्थाओं यथा- यूजीसी, एनसीटीई, एआईसीटीई, एनएएसी प्रायः तालमेल के अभाव में सार्थक परिणाम नहीं ला पा रही थी, अतः नई शिक्षा नीति में उक्त सभी संस्थाओं को नेशनल हायर एजुकेशन रेग्यूलेट्री कौंसिल में एकीकृत करना नई शिक्षा नीति सातवीं विशिष्टता है। इस नेशनल हायर एजुकेशन रेग्यूलेट्री कार्यान्सिल के कार्यरूप लेने के बाद निर्णय लेने एवं कार्यक्रमों की क्रियान्वयन में त्वरित गति आयेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि चौथी औद्योगिक क्रान्ति के मद्देनजर कम्प्यूटर शिक्षा के अनिवार्य प्रावधान के चलते नई शिक्षा नीति इक्कीसवीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। निःसंदेह नई शिक्षा नीति उक्त विशिष्टताओं के चलते स्वागत योग्य है।

RNI No.-UPHIN/2012/44803

हिन्दी दैनिक

Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

आपके साथ

वर्ष : 09 अंक : 203 फतेहपुर, मंगलवार, 11 अगस्त 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में- प्रोफेसर सिंह

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा

की दिनानुदिन लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी है, मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं। उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किए।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों एवं कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पी के पांडे ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, मंगलवार , 11 अगस्त 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 0

अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में- प्रोफेसर सिंह

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज।लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की दिनानुदिन लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी हैं, मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों,

समन्वयकों एवं कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पी के पांडे ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

R.N.I. UPHIN/2012/52437

वर्ष : 06 अंक : 311
प्रयागराज ,मंगलवार
11 अगस्त 2020
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00 रुपया

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज/अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में- प्रोफेसर सिंह

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला

कानपुर/संवाददाता।लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की दिनानुदिन लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य

दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी हैं, मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किए।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें।

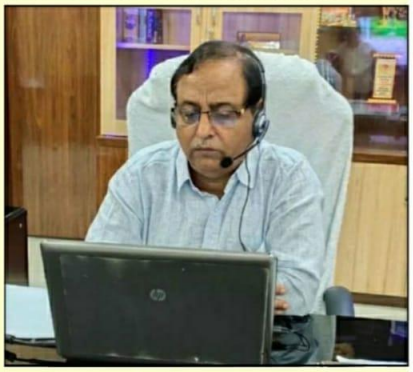

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों एवं कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पी के पांडे ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

वर्ष : 26 | अंक : 283
प्रयागराज | मंगलवार , 11 अगस्त-2020
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

संस्थापक : स्व. रामनिरंजन भगवत   प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में- प्रोफेसर सिंह

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की दिनानुदिन लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी हैं, मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं। उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किए।प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में

अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें।मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों एवं कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ शुचिता चतुर्वेदी ने किया।

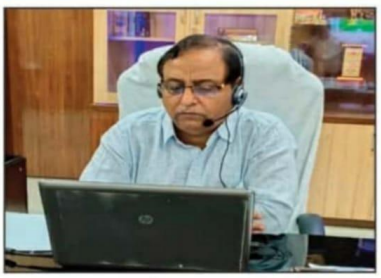

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पी के पांडे ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

@gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com

हिन्दी दैनिक

विधान केसरी

...खबर सिर्फ जनहित के लिए

लखनऊ संस्करण, मंगलवार 11 अगस्त 2020 (वर्ष-9 अंक 54), मूल्य:-2.00 रुपये पृष्ठ-16 रजि. न0:- UPHIN/2012/47972

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज (विधान केसरी)। लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की दिनानुदिन लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी हैं, मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों एवं कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर पीके पांडे ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

प्रयागराज, मंगलवार, 11 अगस्त 2020

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी एवं प्रयागराज से प्रकाशित

अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में : कुलपति

कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला

कुलपति प्रो केएन सिंह

प्रयागराज। लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी हैं, मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें।

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों एवं कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रो. पी.के पांडेय ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

11 अगस्त, 2020

- कोरोना संकट के बीच कैसे बढ़ रहे हैं आगे
- चुनौतियों का कैसे करे सामना
- शिक्षा, स्वाथ्य और दुसरे क्षेत्र में कई चुनौतियां
- अलग–अलग सेक्टर से जुड़े खास मेहमानों से चर्चा

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 14 अगस्त 2020, पटना, भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी, विक्रम संवत 2077, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
बिहार का नं. 1 अखबार

प्रथम, द्वितीय वर्ष के छात्र प्रोन्नत

प्रयागराज | निज संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) में स्नातक, परास्नातक एवं अन्य पाठ्यक्रमों में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों को सीधे अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया गया है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुरुवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। वहीं, अंतिम वर्ष एवं अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा सितंबर के प्रथम सप्ताह से शुरू होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। जल्द ही परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम भी जारी कर दिया जाएगा।

मुविवि

- सितंबर में अंतिम वर्ष की परीक्षा कराने की तैयारी
- जल्द ही परीक्षा का जारी होगा विस्तृत कार्यक्रम

प्रथम और द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थियों को बिना परीक्षा प्रोन्नत कर दिया गया है। मुविवि ने पिछले महीने कार्य परिषद की बैठक में परीक्षा पर सर्वसम्मति से प्रोन्नत करने का फार्मूला भी तय कर लिया था। तय फार्मूले के मुताबिक, मुविवि से जुड़े प्रदेश भर में अंतिम वर्ष को छोड़कर तकरीबन 50 हजार से अधिक शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय प्रशासन ने अगली कक्षा में प्रोन्नत भी कर दिया। अब अगली कक्षा में शिक्षार्थियों को जो अंक प्राप्त होगा, उसके आधार पर उन्हें पिछले वर्ष अंक प्रदान किया जाएगा। नए सत्र में दाखिले के लिए अंतिम तिथि 31 अगस्त तय की गई है। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि अंतिम वर्ष की परीक्षा की तैयारी चल रही है। उम्मीद है कि सितंबर के प्रथम सप्ताह से शुरू होगी। इसके लिए जल्द परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शुक्रवार, 14 अगस्त 2020, पटना, भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी, विक्रम संवत 2077, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
बिहार का नं. 1 अखबार

तीन दिन बाद आज खुलेगा मुक्त विवि

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यरत एक कर्मचारी की बीते मंगलवार को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटव आई थी। इसपर विश्वविद्यालय ने 13 अगस्त तक विश्वविद्यालय को बंद करने का निर्णय लिया था। रजिस्ट्रार डीपी सिंह ने बताया कि गुरुवार को विश्वविद्यालय में सेनिटाइजेशन कराया गया। अब शुक्रवार यानी 14 अगस्त से विश्वविद्यालय खुलेगा और जरूरी काम किए जाएंगे।

महानगर
वर्ष 24 | अंक 60 | पृष्ठ : 14
मूल्य : छह रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

प्रयागराज
शुक्रवार, 14 अगस्त 2020

अटल का रिकॉर्ड तोड़ा — मोदी सबसे लंबे कार्यकाल वाले पहले गैरकांग्रेसी पीएम — उत्तर प्रदेश

मुक्त विवि में प्रमोट किए गए छात्र-छात्राएं

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षाएं सितंबर में संभावित, परीक्षा तिथि पर 16 के बाद निर्णय लेगा विवि प्रशासन

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने कोविड-19 के कारण स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष और परास्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया है। विद्यार्थियों को 31 अगस्त तक अपनी अगली कक्षा में प्रवेश लेना है। स्नातक एवं परास्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं सितंबर में संभावित हैं। मुविवि प्रशासन 16 अगस्त के बाद परीक्षा की तिथि पर निर्णय लेगा।

मुविवि के प्रदेश में 11 क्षेत्रीय केंद्र हैं, जो प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, झांसी, कानपुर, आगरा, आजमगढ़, मेरठ एवं गाजियाबाद में स्थित हैं। प्रदेश में इनसे जुड़े 1100 सक्रिय अध्ययन केंद्र हैं, जहां कुल पचास हजार विद्यार्थी पंजीकृत हैं। इनमें स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष और परास्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को बिना परीक्षा अगली कक्षा में प्रमोट किया गया है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव की ओर से जारी सूचना में कहा गया कि मुविवि में अध्ययनरत प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की सत्र जून-2020 की परीक्षाएं कोविड-19 महामारी के कारण आयोजित नहीं की जा सकेंगी। ऐसे में मुविवि में संचालित सभी पाठ्यक्रमों के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को कुलपति द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार क्रमशः अपने पाठ्यक्रम के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रोन्नत कर दिया गया है। ऐसे विद्यार्थियों को 31 अगस्त तक मुविवि की वेबसाइट के माध्यम से अगली कक्षा में पंजीकरण कराकर अपना प्रवेश सुनिश्चित करना है। उधर, मुविवि प्रशासन ने स्नातक एवं परास्नातक अंतिम वर्ष और अन्य पाठ्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

> पहले 24 अगस्त को परीक्षाएं प्रस्तावित थीं, लेकिन कोविड-19 के कारण इन्हें स्थगित करना पड़ा। अब सितंबर में अंतिम वर्ष की परीक्षाएं संभावित हैं। 16 अगस्त के बाद परीक्षा तिथि को लेकर कोई निर्णय लिया जाएगा। बाकी विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया गया है।
>
> **- प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, मुविवि**

इविवि: आवेदन कर चुके छात्र अपडेट कर सकेंगे इंटर के अंक

प्रयागराज। इविवि और संघटक कॉलेजों में प्रवेश के लिए जो छात्र आवेदन कर चुके हैं, उन्हें अपने इंटरमीडिएट के अंक या ग्रेड अपडेट करने का मौका दिया गया है। बृहस्पतिवार शाम तक इविवि एवं संघटक कॉलेजों में प्रवेश के लिए कुल दो लाख 21 हजार 833 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराए और इनमें से एक लाख 15 हजार 11 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन शुल्क करते हुए आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली। जो अभ्यर्थी इविवि में स्नातक, बीएएलएलबी एवं आईपीएस के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर चुके हैं, लेकिन आवेदन के वक्त उनका इंटरमीडिएट का रिजल्ट नहीं आया था, ऐसे अभ्यर्थियों को इंटरमीडिएट में प्राप्त अंक या ग्रेड अपने लॉगइन एवं पासवर्ड के माध्यम से अपडेट करने का अवसर प्रदान किया गया है।

स्नातक में प्रवेश के लिए अब 63633, बीएलएलबी के लिए 7369 और आईपीएस के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 2030 अभ्यर्थियों ने आवेदन की प्रक्रिया पूरी की है। इसके अलावा परास्नातक में प्रवेश के लिए बृहस्पतिवार शाम तक 17298, एलएलबी के लिए 13158, बीएड के लिए 4315, एमएड के लिए 1048, एमबीए/एमबीएआरडी के लिए 1378, एलएलएम के लिए 3336 और क्रेट के लिए 1446 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

कोरोना से तीन दिनों बंद रहा मुविवि, आज खुलेगा: मुविवि में एक कर्मचारी के कोरोना संक्रमित हो जाने के कारण संस्थान तीन दिनों तक बंद रहा। अब शुक्रवार से मुविवि खुलने जा रहा है। मुविवि प्रशासन अनुभाग में एक कर्मचारी कोरोना संक्रमित हो गया था, जिसके बाद 11 अगस्त को दोपहर दो बजे से 13 अगस्त तक मुविवि में अवकाश घोषित कर दिया गया। इस दौरान वहां वहां सैनिटाइजेशन कराया गया और प्रशासनिक भवन में कोई अतिरिक्त कार्य संपादित नहीं किया गया।

प्रयागराज, शुक्रवार
14 अगस्त, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

बिजली गुल होने की एसटीएफ करेगी जांच 11
वायुसेना प्रमुख ने उड़ाया मिग-21 बाइसन 13

तैयारी — जल्द ही प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों के लिए परीक्षा कार्यक्रम जारी करेगा विश्वविद्यालय प्रशासन

मुविवि के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा सितंबर में

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रदेश भर में अध्ययनरत प्रथम और द्वितीय वर्ष के शिक्षार्थियों को परीक्षा के बिना ही अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया गया। अब विश्वविद्यालय प्रशासन सितंबर में अंतिम वर्ष की वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षा कराने की तैयारी में है। जल्द ही परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम भी जारी कर दिया जाएगा।

दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने केवल अंतिम वर्ष की परीक्षा कराने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में मुविवि ने पिछले महीने कार्य परिषद की बैठक में परीक्षा पर सर्वसम्मति से प्रोन्नत करने का फार्मूला भी तय कर लिया था। तय फार्मूले के मुताबिक मुविवि से जुड़े प्रदेश भर में अंतिम वर्ष को छोड़कर तकरीबन 50 हजार से अधिक शिक्षार्थी प्रोन्नत किये जाएंगे। इन सभी को विश्वविद्यालय प्रशासन ने अगली कक्षा में प्रोन्नत भी कर दिया। अब अगली कक्षा में शिक्षार्थियों को जो अंक प्राप्त होगा, उसके आधार पर उन्हें पिछले वर्ष अंक प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा अंतिम वर्ष की वार्षिक और सेमेस्टर तथा सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं सितंबर में कराने की तैयारी चल रही है। जल्द ही परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम भी जारी कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन 25 अगस्त से ही परीक्षा कराने की तैयारी में था। हालांकि, कोरोना वायरस संक्रमण के चलते शैक्षणिक संस्थान बंद होने की वजह से परीक्षा स्थगित करना पड़ा।

> अंतिम वर्ष को छोड़कर सभी शिक्षार्थियों को अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया गया है। अंतिम वर्ष की परीक्षा का कार्यक्रम जल्द ही जारी कर दिया जाएगा। फिलहाल सितंबर में परीक्षा कराने की तैयारी है।
>
> **प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह,** कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

14 अगस्त, 2020

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 अगस्त, 2020

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 अगस्त, 2020

ध्वजारोहण करने के लिए जाते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि"वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वि"वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने ध्वजारोहण किया एवं विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय संदेश दिया।

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

नई शिक्षा नीति आज के भारत की आवश्यकता है: प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

देश के 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बोलते हुए राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आजादी की यह पर्व हम सबके लिए होली, दीवाली की तरह ही हैं। हम सब उसी हर्ष उल्लास के साथ यह आजादी का पर्व मनाते हैं ये आजादी हम सबको यूं ही नहीं मिली इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी हैं। आजादी के बाद से ही देश जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी जैसी तमाम चुनौतियों से सफलतापूर्वक लड़ते हुए लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से कई लड़ाईयां लड़नी पड़ी जिसमें निर्णायक जीत हासिल कर विश्व में उदाहरण पेश किया। देश में आज भी बहुत सारी चुनौतियां विद्यमान है। जिससे लडने के लिए पारिवारिक भाव भावना का होना आवश्यक है। देश हो या संस्थान जिसमें हम कार्यरत है। पारिवारिक भाव–भावना से कार्य करके ही हम देश और समाज को आगे ले जा सकते हैं।

उन्होंने धारा 370 और समान नागरिक संहिता कानून पर बोलते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय इन विषयों पर नये पाठ्यक्रम शुरू करके समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने में देश का अग्रणी विश्वविद्यालय रहा है। नई शिक्षा नीति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति आज के भारत की आवश्यकता है। इसे हमारे शिक्षक एवं देश के विश्वविद्यालय ठीक से लागू करके भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। आज हर व्यक्ति को समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए संकल्प लेना होगा। देश के लिए हमें जीने का मौका मिला है। इसलिए हम पारिवारिक भाव–भावना से देश एवं समाज हित में छोटे मोटे तमभेदों को भूलाकर कार्य करें।

अन्त में मा0 कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना देते हुए निकट भविष्य में इसी प्रकार कार्य करने हेतु अभिप्रेरित किया।

स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम की एक झलक

आप और आपके परिवार को
हमारी तरफ से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक
शुभकामनाएँ

पारिवारिक भाव–भावना से देश एवं समाज हित में छोटे मोटे तमभेदों को भूलाकर कार्य करें – प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

नई शिक्षा नीति आज के भारत की आवश्यकता है। इसे हमारे शिक्षक एवं देश के विश्वविद्यालय ठीक से लागू करके भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

आज हर व्यक्ति को समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए संकल्प लेना होगा : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

धारा 370 और समान नागरिक संहिता कानून पर हमारा विश्वविद्यालय इन विषयों पर नये पाठ्यक्रम शुरू करके समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने में देश का अग्रणी विश्वविद्यालय रहा है: कुलपति

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से मुलाकात करते हुए

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में लगाये गये संविधान की प्रस्तावना की शिलापट्ट को स्थापित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता।

भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तमदास टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 अगस्त, 2020

स्वतन्त्रता दिवस की 74 वीं वर्षगांठ पर उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों की तरफ से समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें। इस शुभ अवसर पर सभी क्षेत्रीय केन्द्रों पर ध्वजारोहण किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्रों के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ एवं अध्ययन केन्द इस्माइल महिला नेशनल कालेज मेरठ के शिक्षक व कर्मचारी

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

ध्वजारोहण करते हुए बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह एवं उपस्थित कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

ध्वजारोहण करती हुई आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह एवं उपस्थित कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

ध्वजारोहण करती हुई लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा एवं उपस्थित कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

ध्वजारोहण करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं उपस्थित कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़

ध्वजारोहण करते हुए आजमगढ़ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 श्याम दत्त दुबे एवं उपस्थित कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के कर्मचारीगण

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

ध्वजारोहण करती हुई झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी एवं उपस्थित कर्मचारीगण

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

16 अगस्त, 2020

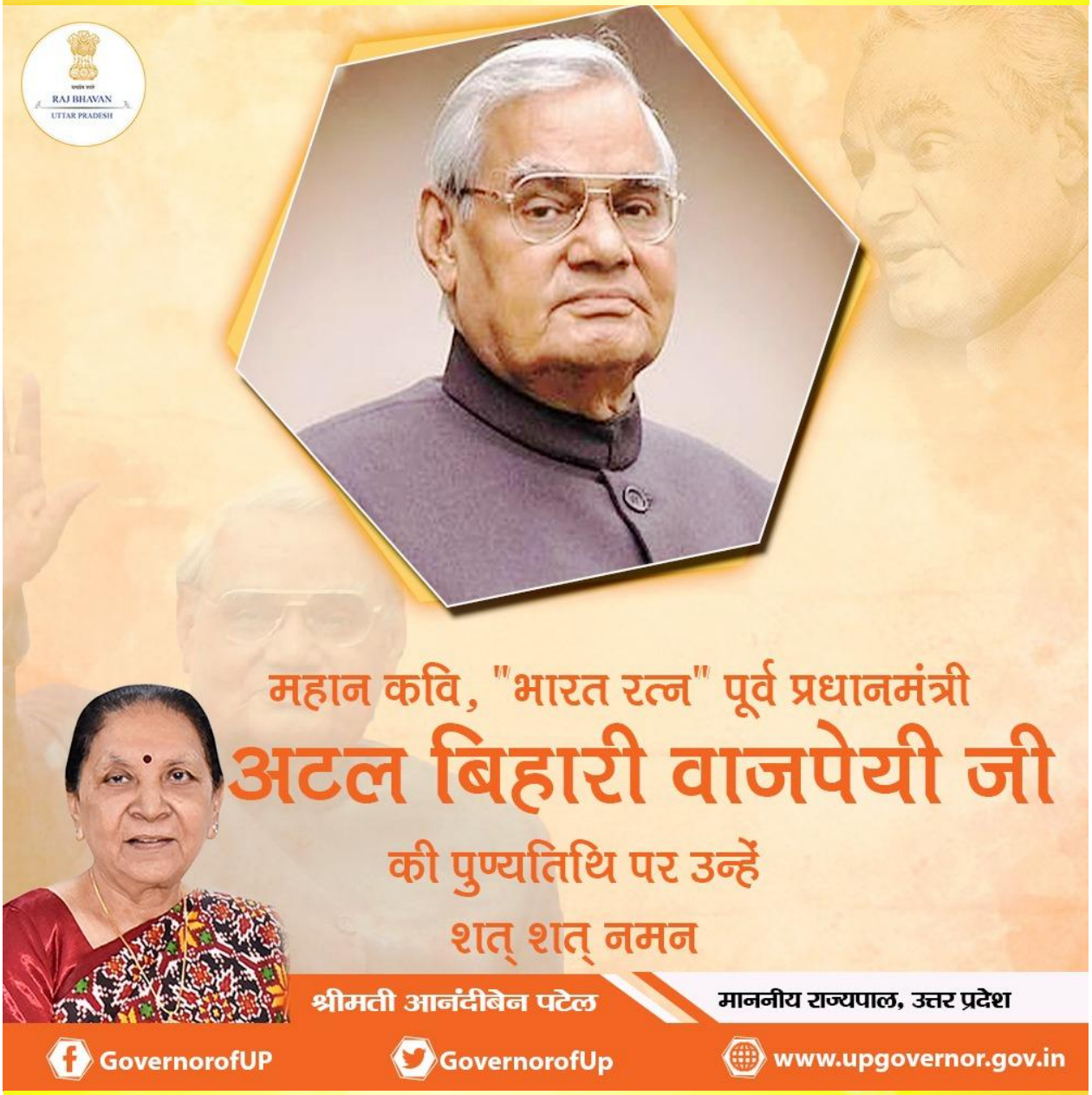

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 अगस्त, 2020

पुण्यतिथि

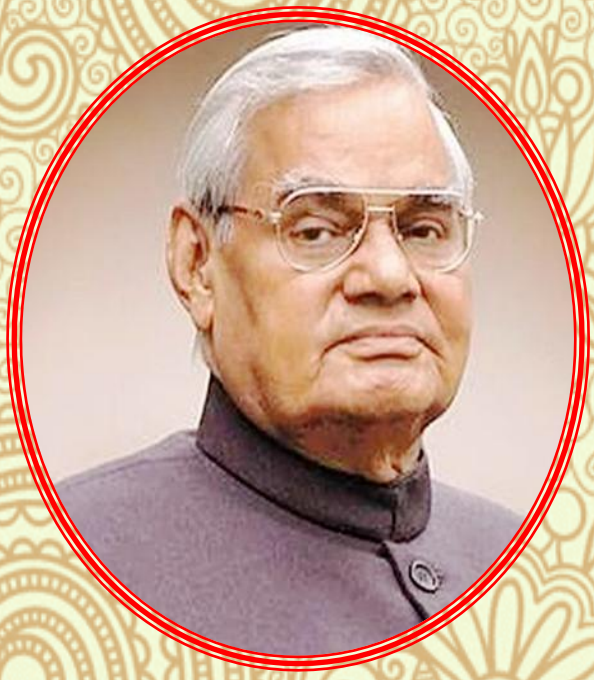

महान कवि, ''भारत रत्न'' पूर्व प्रधानमंत्री

अटल बिहारी बाजपेयी जी

की पुण्यतिथि पर उन्हें

शत् शत् नमन

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रयागराज, सोमवार
17 अगस्त, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16
www.jagran.com

दैनिक जागरण

अब फेसबुक को लेकर आमने-सामने कांग्रेस और भाजपा 15 ट्रंप ने दिए संकेत, टिकटॉक के बाद अलीबाबा का नंबर 16

मुक्त विवि में बोलते कुलपति प्रो . कामेश्वर नाथ सिंह ● साभार : मुक्त विवि

R.N.I. UPHIN/2012/52437
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 06
अंक : 316
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 17 अगस्त, 2020

मंत्र भारत

जुनून है सच दिखाने का
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर व वाराणसी से प्रसारित

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

चुनौतियों से निपटने के लिए पारिवारिक भाव-भावना का होना जरूरी- प्रोफेसर सिंह

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी हम सबको यूं ही नही मिली, इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी है। आजादी के बाद से ही देश जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी जैसी तमाम चुनौतियों से सफलता पूर्वक लड़ते हुए लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से कई लड़ाइयां भी लड़नी पड़ी। जिसमें निर्णायक जीत हासिल कर भारत ने विश्व में अनोखा उदाहरण पेश किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि देश में आज भी बहुत सारी चुनौतियां विद्यमान हैं। जिनसे निपटने के लिए पारिवारिक भाव भावना का होना आवश्यक है। पारिवारिक भाव भावना से कार्य करते हुए हम विश्वविद्यालय, देश एवं समाज को आगे ले जा सकते हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह राष्ट्र जीवंत है। इस राष्ट्र की जीवंतता के बारे में हम सपने गढ़े। आजादी के बाद बहुत सारे लक्ष्य बनाए गए। बहुत सारी चुनौतियां थी, संभावनाएं भी थी । स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसे उदाहरण है जो दुनिया के किसी दूसरे देश में नही मिलेंगे और इसीलिए यह विलक्षण भारत है, अनूठा भारत है,विचित्र भारत है और यह अद्वितीय भारत है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही कई थपेड़ भी हमने सहे है। विदेशी आक्रमणों से बचना तथा देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना एक अलग चुनौती थी।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हरित क्रांति दुनिया के लिए एक विलक्षण उदाहरण है। हरित क्रांति ने हमें केवल अन्न के मामले में आत्मनिर्भर नही बनाया है, बल्कि हमें निर्यातक भी बनाया है। आज हम विदेशों में अन्न का निर्यात कर रहे है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि 1986 की शिक्षा नीति के बाद यह पहली ऐसी शिक्षा नीति आई है जिसकी जड़ें भारत, भारतीयता,भारतीय संस्कृति और भारतीय संस्कार के मूल में है। आने वाले समय में नई शिक्षा नीति से दूरस्थ शिक्षा को और उपयोगी और व्यावहारिक बना

सकते है। आज हम सभी के ऊपर एक बहुत बड़ा दायित्व आ गया है।नई शिक्षा नीति के आलोक में चिंतन करने की जरूरत है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कोविड-19 महामारी के इस काल में विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारी एवं माली निरंतर कार्य कर रहे है और ऐसे ही लोग उनकी प्राथमिकता पर होते है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा संविधान की प्रस्तावना के शिलापट्ट को विश्वविद्यालय में स्थापित कराया।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, सोमवार , 17 अगस्त 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

आजादी हमें यूं ही नहीं मिली बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी-प्रो सिंह

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी हम सबको यूं ही नहीं मिली, इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी है। आजादी के बाद से ही देश जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी जैसी तमाम चुनौतियों से सफलता पूर्वक लड़ते हुए लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से कई लड़ाइयां भी लड़नी पड़ी। जिसमें निर्णायक जीत हासिल कर भारत ने विश्व में अनोखा उदाहरण पेश किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि देश में आज भी बहुत सारी चुनौतियां विद्यमान है। जिनसे निपटने के लिए पारिवारिक भाव भावना का होना आवश्यक है। पारिवारिक भाव भावना से कार्य करते हुए हम विश्वविद्यालय, देश एवं समाज को आगे ले जा सकते हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह राष्ट्र जीवंत है। इस राष्ट्र की जीवंतता के बारे में हम सपने गढ़े। आजादी के बाद बहुत सारे लक्ष्य बनाए गए। बहुत सारी चुनौतियां थी, संभावनाएं भी थी । स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसे उदाहरण हैं जो दुनिया के किसी दूसरे देश में नहीं मिलेंगे और इसीलिए यह विलक्षण भारत है, अनूठा भारत है,विचित्र भारत है और यह अद्वितीय भारत है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही कई थपेड़ भी हमने सहे हैं। विदेशी आक्रमणों से बचना तथा देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना एक अलग चुनौती थी। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हरित क्रांति दुनिया के लिए एक विलक्षण उदाहरण है। हरित क्रांति ने हमें केवल अन्न के मामले में आत्मनिर्भर नहीं बनाया है, बल्कि हमें निर्यातक भी बनाया है। आज हम विदेशों में अन्न का निर्यात कर रहे हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि 1986 की शिक्षा नीति के बाद यह पहली ऐसी शिक्षा नीति आई है जिसकी जड़ें भारत, भारतीयता,भारतीय संस्कृति और भारतीय संस्कार के मूल में हैं। आने वाले समय में नई शिक्षा नीति से दूरस्थ शिक्षा को और उपयोगी और व्यावहारिक बना सकते हैं। आज हम सभी के ऊपर एक बहुत बड़ा दायित्व आ गया है।नई शिक्षा नीति के आलोक में चिंतन करने की जरूरत है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कोविड–19 महामारी के इस काल में विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारी एवं माली निरंतर कार्य कर रहे हैं और ऐसे ही लोग उनकी प्राथमिकता पर होते हैं।

मीडिया प्रभारी डॉं प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा संविधान की प्रस्तावना के शिलापट्ट को विश्वविद्यालय में स्थापित कराया।

अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:39 बजे
सूर्यास्त : 06:41 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 246 | प्रयागराज, सोमवार 17 अगस्त, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये

चुनौतियों से निपटने के लिए पारिवारिक भाव-भावना का होना जरूरी : प्रो. सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी हम सबको यूं ही नहीं मिली, इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी है। आजादी के बाद से ही देश जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी जैसी तमाम चुनौतियों से सफलता पूर्वक लड़ते हुए लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से कई लड़ाइयां भी लड़नी पड़ी। जिसमें निर्णायक जीत हासिल कर भारत ने विश्व में अनोखा उदाहरण पेश किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि देश में आज भी बहुत सारी चुनौतियां विद्यमान हैं। जिनसे निपटने के लिए पारिवारिक भाव भावना का होना आवश्यक है। पारिवारिक भाव भावना से कार्य करते हुए हम विश्वविद्यालय, देश एवं समाज को आगे ले जा सकते है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कोविड-19 महामारी के इस काल में विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारी एवं माली निरंतर कार्य कर रहे हैं और ऐसे ही लोग उनकी प्राथमिकता पर होते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा संविधान की प्रस्तावना के शिलापट्ट को विश्वविद्यालय में स्थापित कराया।

चुनौतियों से निपटने के लिए पारिवारिक भाव-भावना का होना जरूरी- प्रोफेसर सिंह

1 min read

21 hours ago Coverage India

कुलदीप शुक्ला, कवरेज इण्डिया न्यूज़ डेस्क प्रयागरा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी हम सबको यूं ही नहीं मिली, इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी है। आजादी के बाद से ही देश जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी जैसी तमाम चुनौतियों से सफलता पूर्वक लड़ते हुए लगातार आगे बढ़ रहा है।

भारत को अपने पड़ोसी देशों से कई लड़ाइयां भी लड़नी पड़ी। जिसमें निर्णायक जीत हासिल कर भारत ने विश्व में अनोखा उदाहरण पेश किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि देश में आज भी बहुत सारी चुनौतियां विद्यमान हैं। जिनसे निपटने के लिए पारिवारिक भाव भावना का होना आवश्यक है। पारिवारिक भाव भावना से कार्य करते हुए हम विश्वविद्यालय, देश एवं समाज को आगे ले जा सकते हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह राष्ट्र जीवंत है। इस राष्ट्र की जीवंतता के बारे में हम सपने गढ़े। आजादी के बाद बहुत सारे लक्ष्य बनाए गए। बहुत सारी चुनौतियां थी, संभावनाएं भी थी । स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसे उदाहरण हैं जो दुनिया के किसी दूसरे देश में नहीं मिलेंगे और इसीलिए यह विलक्षण भारत है, अनूठा भारत है,विचित्र भारत है और यह अद्वितीय भारत है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही कई थपेड़ भी हमने सहे हैं। विदेशी आक्रमणों से बचना तथा देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना एक अलग चुनौती थी।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हरित क्रांति दुनिया के लिए एक विलक्षण उदाहरण है। हरित क्रांति ने हमें केवल अन्न के मामले में आत्मनिर्भर नहीं बनाया है, बल्कि हमें निर्यातक भी बनाया है। आज हम विदेशों में अन्न का निर्यात कर रहे हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि 1986 की शिक्षा नीति के बाद यह पहली ऐसी शिक्षा नीति आई है जिसकी जड़ें भारत, भारतीयता,भारतीय संस्कृति और भारतीय संस्कार के मूल में हैं। आने वाले समय में नई शिक्षा नीति से दूरस्थ शिक्षा को और उपयोगी और व्यावहारिक बना सकते हैं। आज हम सभी के ऊपर एक बहुत बड़ा दायित्व आ गया है।नई शिक्षा नीति के आलोक में चिंतन करने की जरूरत है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कोविड-19 महामारी के इस काल में विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारी एवं माली निरंतर कार्य कर रहे हैं और ऐसे ही लोग उनकी प्राथमिकता पर होते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा संविधान की प्रस्तावना के शिलापट्ट को विश्वविद्यालय में स्थापित कराया।

आनंदी मेल

About Us | Our Team

17 Aug 2020

राज्य | मनोरंजन | खेल | महिला | युवा | विविध | हेल्थ | उत्तर प्रदेश | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | कारोबार | कृषि | अपनी बात | E-Paper

उत्तर प्रदेश » प्रयागराज » आजादी के बाद भी कई चुनौतियाँ- प्रोफेसर सिंह

आजादी के बाद भी कई चुनौतियाँ- प्रोफेसर सिंह

द्वारा **Surya Mani Dubey** -August 16, 2020 10:32 PM

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण

प्रयागराज,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी हम सबको यूं ही नहीं मिली, इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी है। आजादी के बाद से ही देश जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी जैसी तमाम चुनौतियों से सफलता पूर्वक लड़ते हुए लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से कई लड़ाइयां भी लड़नी पड़ी। जिसमें निर्णायक जीत हासिल कर भारत ने विश्व में अनोखा उदाहरण पेश किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि देश में आज भी बहुत सारी चुनौतियां विद्यमान हैं। जिनसे निपटने के लिए पारिवारिक भाव भावना का होना आवश्यक है। पारिवारिक भाव भावना से कार्य करते हुए हम विश्वविद्यालय, देश एवं समाज को आगे ले जा सकते हैं।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कोविड-19 महामारी के इस काल में विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारी एवं माली निरंतर कार्य कर रहे हैं और ऐसे ही लोग उनकी प्राथमिकता पर होते हैं।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा संविधान की प्रस्तावना के शिलापट्ट को विश्वविद्यालय में स्थापित कराया।

अमर उजाला
अमेरिका | बिडेन बोले-चुनाव जीते तो सीमापार आतंक पर देंगे भारत का साथ...11 | उत्तर प्रदेश
अमर उजाला प्रयागराज amarujala.com
प्रयागराज | सोमवार, 17 अगस्त 2020 | 5

इविवि, मुविवि, एमएनएनआईटी समेत कॉलेजों में भी लहराया तिरंगा

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस पर इविवि, मुविवि और एमएनएनआईटी समेत कॉलेजों में भी तिरंगा लहराया। इस मौके पर सभी ने कोरोनाकाल के दौरान उच्च शिक्षा के समक्ष आई चुनौतियों से निपटने का संकल्प लिया। वहीं, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। साथ ही राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए संविधान की प्रस्तावना के शिलापट्ट को विश्वविद्यालय में स्थापित कराया। एमएनएनआईटी में निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने

राजर्षी टंडन मुक्त विवि

JEEVAN EXPRESS PRAYAGRAJ
PRAYAGRAJ MONDAY, 17 AUGUST 2020

VC UPRTOU installed the Shilapatta of the Preamble of Constitution in the campus:

Vice Chancellor Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Kameshwar Nath Singh hoisted the tricolor in the university. The Independence Day program was carried out while maintaining social distancing. While expressing views VC Singh said that since independence, the country has been continuously moving forward successfully fighting all the challenges like population, poverty, unemployment. Prof. Singh said that many chal-

lenges still exist in the country. To deal with them, it is necessary to have a family spirit. Vice-Chancellor Professor Singh praised the University's Corona warriors during this period of the COVID-19 epidemic. Media in-charge Dr. Prabhat Chandra Mishra said that VC Professor Singh garlanded the statue of Rajarshi Purushottam Das Tandon on this occasion and installed the Shilapatta of the Preamble of the Constitution in the university campus.

अमृत कलश टाइम्स

चुनौतियों से निपटने को पारिवारिक भाव का होना जरूरी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी हम सबको यूं ही नही मिली, इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी है। आजादी के बाद से ही देश जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी जैसी तमाम चुनौतियों से सफलता पूर्वक लड़ते हुए लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से कई लड़ाइया भी लड़नी पड़ी। जिसमें निर्णायक जीत हासिल कर भारत ने विश्व में अनोखा उदाहरण पेश किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि देश में आज भी बहुत सारी चुनौतियां विद्यमान है। जिनसे निपटने के लिए पारिवारिक भाव भावना का होना आवश्यक है। पारिवारिक भाव भावना से कार्य करते हुए हम विश्वविद्यालय, देश एवं समाज को आगे ले जा सकते है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि यह राष्ट्र जीवंत है। इस राष्ट्र की जीवतता के बारे में हम सपने गढ़े। आजादी के बाद बहुत सारे लक्ष्य बनाए गए। बहुत सारी चुनौतियां थी, सभावनाएं भी थी । स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसे उदाहरण है जो दुनिया के किसी दूसरे देश में नही मिलेंगे और इसीलिए यह विलक्षण भारत है, अनूठा भारत है,विचित्र भारत है और यह अद्वितीय भारत है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही कई थपेड़ भी हमने सहे है। विदेशी आक्रमणो से बचना तथा देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना एक अलग चुनौती थी।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हरित क्राति दुनिया के लिए एक विलक्षण उदाहरण है। हरित क्राति ने हमें केवल अन्न के मामले में आत्मनिर्भर नही बनाया है, बल्कि हमे निर्यातक भी बनाया है। आज हम विदेशो में अन्न का निर्यात कर रहे है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि 1986 की शिक्षा नीति के बाद यह पहली ऐसी शिक्षा नीति आई है जिसकी जड़े भारत, भारतीयता,भारतीय संस्कृति और भारतीय संस्कार के मूल में है। आने वाले समय मे नई शिक्षा नीति से दूरस्थ शिक्षा को और उपयोगी और व्यावहारिक बना सकते है। आज हम सभी के ऊपर एक बहुत बड़ा दायित्व आ गया है।नई शिक्षा नीति के आलोक मे चिंतन करने की जरूरत है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कोविड–19 महामारी के इस काल में विश्वविद्यालय के कोरोना योद्धाओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सफाई कर्मचारी एवं माली निरंतर कार्य कर रहे है और ऐसे ही लोग उनकी प्राथमिकता पर होते है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा संविधान की प्रस्तावना के शिलापट्ट को विश्वविद्यालय मे स्थापित कराया।

Page 3 | 17-Aug-2020

روزنامہ آگ اخبار آپ کا
URDU DAILY AAG GORAKHPUR www.dailyaag.com
جشن آزادی مبارک
Gorakhpur 17 August 2020 Monday Pages (12) Price Rs. 3.00 Issue (72) Volume (11)

چیلنج سے نمٹنے کیلئے خاندانی جذبہ ہونا ضروری: پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ

پریاگ راج۔(نامہ نگار)۔ اتر پردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی پریاگ راج میں یوم آزادی کے موقع پر وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے پرچم کشائی کی۔ اس موقع پر پروفیسر سنگھ نے سماجی دوری پر عمل کرتے ہوئے یونیورسٹی کنبہ کو خطاب کرتے ہوئے کہا کہ آزادی ہم سب کو یوں ہی نہیں ملی اس کے لئے بڑی قربانیاں دینی پڑی ہیں۔ آزادی کے بعد سے ہی ملک کی آبادی، غریبی، بے روزگاری جیسے تمام چیلنجوں سے کامیابی کے ساتھ لڑتے ہوئے مسلسل ملک آگے بڑھ رہا ہے، ہندوستان کو اپنے پڑوسی ملکوں سے کئی جنگیں بھی لڑنی پڑیں جس میں فتح حاصل کر کے ہندوستان نے دنیا میں انوکھی مثال پیش کی۔ پروفیسر سنگھ نے کہا کہ ملک میں آج بھی بہت چیلنج موجود ہیں جن سے نمٹنے کیلئے خاندانی جذبہ کو ہونا ضروری ہے۔ خاندانی جذبہ سے کام کرتے ہوئے ہم یونیورسٹی، ملک اور سماج کو آگے لے جا سکتے ہیں۔ پروفیسر سنگھ نے کہا کہ آزادی کے بعد بہت ہدف بنائے گئے، بہت چیلنج تھے، امکانات بھی تھے۔ آزاد ہندوستان کی تواریخ میں ایسی مثال ہے جو دنیا کے کسی دوسرے ملک میں نہیں ملے گی اور اسی لئے ہندوستان دوسروں سے انوکھا ہے۔ انھوں نے کہا کہ آزادی بعد سے ہی کئی تھپیڑیں بھی ہم نے برداشت کئے ہیں، غیر ملکی حملوں سے بچنا اور ملک کی سرحدوں کو محفوظ رکھنا ایک الگ چیلنج تھا سبز انقلاب نے ہمیں صرف اناج کے معاملہ میں خود کفیل نہیں بنایا ہے بلکہ ہمیں درآمد کے لائق بھی بنایا ہے، آج ہم غیر ممالک میں غلے کی درآمد کر رہے ہیں۔ ۱۹۸۶ کی تعلیمی پالیسی کے بعد یہ پہلی ایسی تعلیمی پالیسی آئی ہے جس کی جڑیں ہندوستانیت اور ہندوستانی تہذیب کی بنیاد میں ہے۔

T. JOHN
COLLEGE
टी.जॉन कॉलेज बेंगलुरु, कर्नाटक
(बी.एच.एम.विभाग) द्वारा
आयोजित एक दिवसीय हिंदी
ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार
HINDI WEBINAR:
PRESENT SCENARIO: INDO-CHINA RELATIONS
(वर्तमान परिपेक्ष्य में भारत चीन संबंध)
मुख्य वक्ता : डॉ० अरुण कुमार गुप्ता
(कुल सचिव)
उ० प्र० राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
DATE: 8TH AUGUST 2020
TIME: 10-11 AM
Contact: Renu Kukreti - 9972254540
for more information

MBB University (host)
Dr. Arun Kumar Gup...RTOU Pryagraj) (me)
Dr. Vijay Karn
Dr. Baburam Swami

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई संगोष्ठी
परिवर्तनोन्मुखी विश्व व्यवस्था और भारत
दिनांक : 16-17 अगस्त, 2020
डॉ सच्चिदानंद जोशी जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय शिक्षण मंडल
आचार्य मनोज दीक्षित जी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय शिक्षण मंडल
श्री उमाशंकर पचौरी जी
राष्ट्रीय महामंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल
डॉ० अर्जुन मिश्र जी
संयोजक, गोरक्ष प्रांत
आचार्य रिपुसूदन सिंह
बाबासाहेबभीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय,लखनऊ
आचार्य कौशल किशोर मिश्र
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
आचार्य शैलेश मिश्र
संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी
आचार्य पुत्र०के० शर्मा
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
आचार्य हर्ष सिन्हा
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,गोरखपुर
आचार्य राकेश सेलवाल
ओमान
आचार्य गुरमीत सिंह
फिजी
विवेक तिवारी
अमू शाखी
अभिषेक अवस्थी
यू एस ए
डॉ अरुणोदय नाजपेयी
आगरा कॉलेज, आगरा
डॉ ममता मणि त्रिपाठी
बुद्ध पीजी कालेज, कुशीनगर
डॉ शुचिता पाण्डेय
साकेत महाविद्यालय, फैजाबाद
डॉ रवि रोशन
आर डी नेशनल कॉलेज, बांद्रा
डॉ मीनाक्षी शर्मा
गोकुलदास, हिंदू गर्ल्स कॉलेज, मुरादाबाद
डॉ अरुण कुमार गुप्ता
राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
डॉ अनुराग वर्धन पांडेय
राजकीय महाविद्यालय ऊंचेहार, सतना
आयोजक : भारतीय शिक्षण मण्डल, गोरक्ष प्रांत

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 अगस्त, 2020

कार्य परिषद् की 113वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

माननीय कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कार्य परिषद् की 113वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 18 अगस्त, 2020 को पूर्वाह्नः 11:30 बजे ऑनलाइन वीडियों कान्फ्रेन्सिंग (ZOOM APP) के माध्यम से कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, डॉ0 एस.एन.पी. गुप्ता, अवकाश प्राप्त विभागाध्यक्ष, कामर्स, डी.ए.वी. कालेज, कानपुर, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 (डॉ0) जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 रूचि बाजपेई, एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
युवा
हिन्दुस्तान 04

कैम्पस

मुक्त विवि:बीएड प्रवेश परीक्षा 6 सितंबर को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड एवं विशिष्ट बीएड प्रवेश परीक्षा 6 सितंबर को आयोजित की जाएगी। कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ. पीपी दुबे की ओर से जारी सूचना के अनुसार, प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली सुबह 9 से 12 और द्वितीय पाली की परीक्षा 2 से 5 बजे के मध्य आयोजित की जाएगी। 28 अगस्त को परीक्षार्थी विवि की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षार्थियों को निर्देश दिया गया है कि प्रवेश पत्र, पहचान पत्र, मॉस्क, सेनिटाइजर ले कर परीक्षा केंद्र पर आना होगा। इसके अभाव में परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया जाएगा।

दैनिक जागरण
युवा जागरण

बीएड प्रवेश परीक्षा छह को

जासं, **प्रयागराज** : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड एवं विशिष्ट बीएड प्रवेश परीक्षा छह सितंबर को होगी। कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ. पीपी दुबे की ओर से जारी सूचना के अनुसार प्रदेश के विभिन्न केंद्रों पर प्रथम पाली सुबह नौ से 12 और द्वितीय पाली का इम्तिहान दो से पांच बजे के मध्य होगा। 28 अगस्त को परीक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेशपत्र, पहचानपत्र, मास्क, सैनिटाइजर लेकर आना होगा।

अमर उजाला
www.amarujala.com
प्रयागराज CITY
4

मुक्त विवि में अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आठ से

नौ अक्तूबर तक समाप्त हो जाएंगी स्नातक की परीक्षाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को स्नातक, परास्नातक अंतिम वर्ष और सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। परीक्षाएं आठ सितंबर से नौ अक्तूबर तक आयोजित की जाएगी। सर्टिफिकेट कोर्स की परीक्षाएं एक सप्ताह के भीतर पूरी कराई जाएंगी।

मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार स्नातक एवं परास्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं दो पालियों और सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित की जाएंगी। प्रथम पाली में सर्टिफिकेट, द्वितीय पाली में डिप्लोमा और तृतीय पाली में पीजी डिप्लोम की परीक्षा होगी। सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं आठ सितंबर से शुरू हो जाएंगे, जबकि बीए एवं बीकॉम अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आठ सितंबर से होंगी।

गौरतलब है कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रशासन स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष और परास्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को पहले ही अगले कक्षा में प्रमोट करने का आदेश जारी कर चुका है। जिन छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट किया गया है। उन्हें उस कक्षा की परीक्षा में जो अंक मिलेंगे, वही पिछली कक्षा के लिए भी मान्य होंगे और इसी आधार पर उनकी मार्कशीट तैयार की जाएगी।

छह सितंबर को होगी राजर्षि टंडन की बीएड प्रवेश परीक्षा

जासं, **बरेली** : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने बीएड और स्पेशल बीएड कोर्स में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा की तारीख तय कर दी है। यह परीक्षा छह सितंबर को बरेली सहित प्रदेश के नौ जिलों में होगी। इसमें 9,275 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बरेली में खंडेलवाल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी को केंद्र बनाया गया है। जिसमें दोनों परीक्षाओं में 444 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक बरेली डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र 26 अगस्त से वेबसाइट 222.uprtou.ac.in पर अपलोड कर दिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली में बीएड और दूसरी पाली में बीएड स्पेशल कोर्स के लिए परीक्षा होगी।

इन जिलों में बनें केंद्र

बरेली, आगरा, मेरठ, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, अयोध्या।

परीक्षा का समय : सुबह 9 से 12, दोपहर 2 से शाम पांच बजे

दैनिक जागरण
प्रयागराज में सीरो सर्वे के साथ होगी हेपेटाइटिस की भी जांच 11 पूर्व वित सचिव राजीव कुमार होंगे नए चुनाव आयुक्त 12
युवा जागरण
4 दैनिक जागरण प्रयागराज, 22 अगस्त, 2020 www.jagran.com

अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आठ सितंबर से नौ अक्टूबर तक

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आठ सितंबर से नौ अक्टूबर के बीच कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को वेबसाइट पर परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया। स्नातक और परास्नातक की परीक्षाएं दो पालियों में होंगी, जबकि, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा की परीक्षा तीन पालियों में होगी। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि तीन पाली वाली परीक्षाओं में प्रथम पाली में सर्टिफिकेट, द्वितीय में डिप्लोमा और तृतीय में पीजी डिप्लोमा की परीक्षा होगी। यह परीक्षा एक सप्ताह के भीतर पूरी कराई जाएगी। वहीं दो पाली में होने वाली स्नातक और परास्नातक की परीक्षा नौ अक्टूबर को खत्म होगी। परीक्षा का समय तीन घंटे रखा गया है। वहीं, स्नातक के प्रथम, द्वितीय एवं परास्नातक के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में प्रमोट किए जाने का आदेश जारी किया जा चुका है। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन यानी आठ सितंबर से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों से परीक्षा शुरू होगी। 17 सितंबर से स्नातक (बीए और बीकॉम) की परीक्षा प्रारंभ होगी।

उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की अन्तिम वर्ष की परीक्षा 8 सितम्बर से होगी– डा0 पूनम गर्ग

मेरठ संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नें अन्तिम वर्ष ओर सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है, परीक्षाएँ 8 सितम्बर से 9 अक्टूबर तक होनी है, सर्टिफिकेट कोर्स की परीक्षाएँ एक सप्ताह के भीतर पूरी कराई जायेगी। क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ की समन्वयक डॉ पूनम गर्ग ने बताया कि मुविवि की वेबसाईट पर जारी किए गये कार्यक्रम के अनुसार स्नातक एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाए दो पालियों और सर्टिफिकेट कोर्स डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाए तीन पालियों में आयोजित की जायेगी। डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाए आठ सितम्बर से शुरू हो जायेगी। जबकि बीए बीकॉम अंतिम वर्ष की परीक्षा आठ सितम्बर से होगी। गौरतलब है कि मुविवि प्रशासन से स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं परास्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को पहले ही प्रमोट करने का आदेश जारी हो चुका है, जिन छात्रों ने अगली कक्षा में प्रमोट किया गया है, उन्हें उस कक्षा की परीक्षा में जो अंक मिलेगे वही पिछली कक्षा मान्य होगें।

दिव्यांगों को नए वाहन पर 18% जीएसटी से छूट 11 | रहाणे और पृथ्वी अलग तरह की तैयारी में जुटे 12
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
सोनू की खुशी
युवा
आज का दिन 1818 में बंगाल के पहले गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स का निधन।
हिन्दुस्तान 04

यूजी, पीजी और सर्टिफिकेट कोर्स का परीक्षा कार्यक्रम जारी

अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 8 सितंबर से 9 अक्तूबर तक

मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज | निज संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (मुविवि) की अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आठ सितंबर से 9 अक्तूबर के मध्य आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार को वेबसाइट पर परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। स्नातक और परास्नातक की परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। वहीं, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा की परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की जाएगी।

कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा की परीक्षा तीन पालियों में कराई जाएगी। प्रथम में सर्टिफिकेट, द्वितीय में डिप्लोमा और तृतीय पाली में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की परीक्षा होगी। यह परीक्षा एक सप्ताह के भीतर पूरी हो जाएगी। वहीं स्नातक और परास्नातक की परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इनकी परीक्षा 9 अक्तूबर को समाप्त होगी। तीनों पालियों की परीक्षा का समय तीन घंटे रखा गया है। वहीं, स्नातक और परास्नातक के प्रथम, द्वितीय वर्ष के छात्रों को सीधे अगली कक्षा में प्रमोट कर दिए जाने का आदेश जारी किया जा चुका है।

जारी परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन यानी आठ सितंबर सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों से परीक्षा शुरू होगी। 17 सितंबर से स्नातक (बीए, बीकॉम) की परीक्षा प्रारंभ होगी।

सितंबर में जेई, अक्तूबर में एमटीएस का रिजल्ट

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग की मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) भर्ती 2019 के दूसरे पेपर का परिणाम अक्टूबर में घोषित किया जाएगा। इससे पूर्व सितंबर में जूनियर इंजीनियर भर्ती 2018 के दूसरे पेपर का परिणाम आयोग घोषित करेगा।

यह जानकारी आयोग की ओर से वेबसाइट पर जारी सूचना में दी गई है। हालांकि अभी दोनों परिणाम घोषित करने की की तिथि नहीं बताई गई है। आयोग ने संयुक्त स्नातक स्तरीय भर्ती यानी सीजीएल 2018 के तीसरे चरण की परीक्षा का परिणाम 8 मई को घोषित करने की जानकारी पूर्व में दी थी लेकिन कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से मूल्यांकन सहित अन्य कार्य प्रभावित होने के कारण परिणाम घोषित नहीं हो सका। आयोग की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि इस परिणाम की घोषणा के बारे में जानकारी बाद में दी जाएगी।

अमर उजाला
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth 5

मुविवि: अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आठ सितंबर में

एक हफ्ते में पूरी होंगी सर्टिफिकेट कोर्स की परीक्षाएं

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने शुक्रवार को स्नातक, परास्नातक अंतिम वर्ष और सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। परीक्षाएं आठ सितंबर से नौ अक्तूबर तक आयोजित की जाएगी। सर्टिफिकेट कोर्स की परीक्षाएं एक सप्ताह के भीतर पूरी कराई जाएंगी।

मुविवि की वेबसाइट पर जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार स्नातक एवं परास्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं दो पालियों और सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित की जाएंगी।

नौ अक्तूबर तक समाप्त हो जाएंगी स्नातक की परीक्षाएं

सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं आठ सितंबर से शुरू हो जाएंगे, जबकि बीए एवं बीकॉम अंतिम वर्ष की परीक्षाएं आठ सितंबर से होंगी। गौरतलब है कि मुविवि प्रशासन स्नातक प्रथम एवं द्वितीय और परास्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को पहले ही प्रमोट करने का आदेश जारी कर चुका है, जिन छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट किया गया है। उन्हें उस कक्षा की परीक्षा में जो अंक मिलेंगे, वही पिछली कक्षा के लिए भी मान्य होंगे।

ABP LIVE
होम ताजा वीडियो ABP UNCUT भारत बिहार

UPRTOU Exam June-2020: राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी में फाइनल ईयर सहित अन्य परीक्षाओं का शेड्यूल जारी, 8 सितंबर से परीक्षाएं

UPRTOU Exam June-2020: राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी {यूपीआरटीओयू} में यूजी पीजी के लास्ट ईयर सहित अन्य परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित. परीक्षाएं 8 सितम्बर से 9 अक्टूबर तक.

एबीपी न्यूज़
Last Updated: 22 Aug 2020 08:59 AM (IST)

UPRTOU Exam June-2020: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी {UPRTOU – यूपीआरटीओयू} में लास्ट ईयर सहित अन्य कोर्स की परीक्षाएं 8 सितम्बर 2020 से लेकर 9 अक्टूबर 2020 तक आयोजित कराई जाएंगी. इन परीक्षाओं को आयोजित कराने के संबंध में विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया गया. ऐसे छात्र जो इस यूनिवर्सिटी की यूजी या पीजी की लास्ट ईयर और सर्टिफिकेट या डिप्लोमा या पीजी डिप्लोमा कोर्स की परीक्षा में शामिल होने जा रहे है वे छात्र UPRTOU की ऑफिशियल वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर जाकर विस्तृत शेड्यूल चेक कर सकते हैं.

दो और तीन शिफ्ट में आयोजित की जाएगी परीक्षा- राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी {**UPRTOU**} द्वारा जारी किए गए शेड्यूल के मुताबिक यूजी और पीजी के लास्ट ईयर की परीक्षाएं दो शिफ्टों में आयोजित की जाएंगी. वहीं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाएं तीन शिफ्टों में आयोजित की जाएंगी.

इन तीन शिफ्टों में से फर्स्ट शिफ्ट में सुबह 7:00 बजे से 10:00 बजे तक पीजी डिप्लोमा कोर्स की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी, सेकंड शिफ्ट में सुबह 11:00 बजे से 02:00 बजे तक सर्टिफिकेट कोर्स की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी जबकि लास्ट या थर्ड शिफ्ट में दोपहर बाद 03:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक डिप्लोमा कोर्स से सम्बंधित परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी. इन तीनों शिफ्टों के लिए परीक्षा का समय 3-3 घंटे तय किया गया है.

सर्टिफिकेट और डिप्लोमा से रिलेटेड सभी परीक्षाएं 08 सितम्बर 2020 से शुरू होकर 16 सितम्बर 2020 तक पूरी करा ली जाएंगी. वहीं अगर यूजी और पीजी के लास्ट ईयर की परीक्षाओं की बात की जाय तो ये परीक्षाएं दो शिफ्ट में सुबह 09:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दोपहर बाद 02:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक आयोजित कराई जाएंगी. यूजी और पीजी की ये परीक्षाएं 17 सितम्बर 2020 से शुरू होकर 09 अक्टूबर 2020 तक ख़त्म हो जाएंगी.

नोट- छात्र परीक्षा प्रारंभ होने से लगभग एक हफ्ता पहले अपने एडमिट कार्ड यूनिवर्सिटी की **ऑफिशियल वेबसाइट** से प्राप्त कर सकते हैं.

UPRTOU Exam scheduule 2020

विक्रमण
जल ही जीवन है
व्हाटसअप न्यूज
सम्पादक: सुशील गांधी मो0 9837845500 मेरठ, 22 अगस्त 2020 हिन्दी समाचार पत्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रवेश तिथि में ३१ अगस्त तक विस्तार:डा० वीरेद्र सिंह

(विक्रमण संवाददाता)। बागपत। दिगंबर जैन कॉलेज बड़ौत के प्राचार्य डॉ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि दिगंबर जैन कॉलेज के अध्ययन केंद्र 063 में प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र छात्राओं के लिए अच्छी खबर यह है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कोविड-19 जैसी महामारी के चलते हुए छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश की तिथि में 31 अगस्त तक विस्तार किया है। वैसे तो दूरस्थ शिक्षा अपने आप में शिक्षा को निरंतर रखने का एक अच्छा विकल्प है ऐसे में छात्र घर बैठे अपनी रूचि के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने में का एक अच्छा साधन है जिसमें अध्ययन हेतु सामग्री भी घर बैठे ही प्राप्त हो जाती है। ग्रामीण अंचल एवं दूर-दराज के छात्रों को भी शिक्षा के अवसर सुलभ कराकर उनके भविष्य को संवारने का कार्य भी करता है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ किरन गर्ग ने यह भी बताया कि बी.एड. की प्रवेश परीक्षा 6 सितंबर को निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर होगी। जिसका 26 अगस्त से ऑनलाइन प्रवेश पत्र भी डाउनलोड कर सकते हैं। सभी विषयों में प्रवेश हेतु राजर्षि टंडन की वेबसाइट पर सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन प्रवेश के उपरांत उसकी हार्ड कॉपी को कॉलेज में जमा कराना अनिवार्य है। अन्य जानकारी हेतु वेबसाइट पर उपलब्ध संपर्क सूत्र से सूचना प्राप्त करने की जा सकती है।

दैनिक जागरण
www.jagran.com

पहले रामलला को टेंट दिया, अब देंगे आधार 10 नोएडा में कामगारों को रोजगार दिलाएंगे अभिनेता सोनू सूद 12

मुक्त विवि में 12 साल बाद पीएचडी को हरी झंडी

गुरुदीप त्रिपाठी ● प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय से 12 साल बाद फिर पीएचडी की जा सकेगी। राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने कुलपति से चर्चा के बाद हरी झंडी दे दी है। कार्यपरिषद से भी मंजूरी मिल गई है। सितंबर से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के आसार हैं।

वर्ष 2008 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पीएचडी संबंधी अध्यादेश की वजह से विश्वविद्यालय में प्रवेश बंद था। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने इसे शुरू कराने की पहल की। प्रस्ताव को कुलाधिपति तथा प्रदेश सरकार की अनुमति मिलने के बाद कार्यपरिषद की बैठक में रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई। नए शैक्षिक सत्र में शिक्षाशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान, एग्रीकल्चर, हेल्थ साईंस, कॉमर्स, मैनेजमेंट, हिंदी, संस्कृत और पत्रकारिता में पीएचडी की जा सकेगी।

संस्थान के शिक्षक ही होंगे निदेशक: पूर्व में शोध निदेशक, बाहरी होते थे। अतएव शोध भी बाहर कराए जाते थे। यहां शोधार्थियों को थीसिस जमा करनी होती थी। सिर्फ डिग्री अवार्ड होती थी। नए रेगुलेशन के तहत प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा और मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक ही निदेशक होंगे।

आरडीसी में तय होंगे शोध निदेशक: मुविवि उन्हीं विषयों में पीएचडी कराएगा, जिसमें शिक्षक होंगे। सबसे पहले शोध निदेशक का नाम स्कूल बोर्ड प्रस्तावित करेगा। फिर रिसर्च डिग्री कमेटी (आरडीसी) मुहर लगाएगी। आरडीसी में बाहरी विशेषज्ञ भी शामिल होगा। इसके बाद एकेडमिक काउंसिल और कार्य परिषद की मंजूरी मिलने पर संख्या के अनुसार विषयवार रिक्तियां निकाली जाएंगी। प्रोफेसर को आठ, रीडर को छह और लेक्चरर को चार लोगों को पीएचडी कराने की अनुमति रहेगी।

प्री-पीएचडी अनिवार्य

पीएचडी से पहले आवेदक को इसके लिए परीक्षा में सफल होना पड़ेगा। इसके बाद मेरिट और निर्धारित आरक्षण के आधार पर रजिस्ट्रेशन होगा। शोध के दौरान छह माह की प्री पीएचडी भी अनिवार्य होगी।

पीएचडी के लिए नए सत्र में आवेदन मांगे जाएंगे। आरडीसी की बैठक में शोध निदेशक तय होने के बाद आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय।

बीएड प्रवेश परीक्षा 6 को

लखनऊ। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड विशिष्ट व बीएड सामान्य कोर्स में दाखिले हेतु प्रवेश परिक्षा 06 सितंबर को दो पाली में होगी। प्रथम पाली में बीएड सामान्य व दूसरी पाली में विशिष्ट बीएड कोर्स के लिए परीक्षा होगी। अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र विवि की वेबसाइट www. uprtou.ac.in पर जल्द अपलोड कर दिया जाएगा।

एक नजर

बीएड प्रवेश परीक्षा छह सितंबर को

अयोध्या: उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) में प्रवेश की परीक्षा छह सितंबर को संपन्न होगी। ये परीक्षा पूर्वाह्न नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक संपन्न होगी। 28 अगस्त से परीक्षार्थी विवि की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। जिले में साकेत महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यह जानकारी क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. शशिभूषणराम त्रिपाठी ने दी। (संसू)

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

27 अगस्त, 2020